प्रवेश विवरणिका
2022-23

कला

वाणिज्य

विज्ञान

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

एस०एम० जे० एन० (पी० जी०) कॉलेज, हरिद्वार

(श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाही थौल, टिहरी गढ़वाल से सम्बद्ध)

प्रवेश विवरणिका आवेदन शुल्क ₹ 200/-

Website:www.smjn.org

समाचार पत्रों की सुर्खियां

4 दैनिक जागरण हरिद्वार जागरण

बीकाम छात्र अक्षत को मिलेगा पर्यावरण मित्र सम्मान

आरएसएस ने किया पर्यावरण दिवस पर विचार गोष्ठी, बरगद और आम के पौधे लगाकर पर्यावरण दिवस मनाया

my city

'स्थिरता के लिए यूक्रेन संकट का हो समाधान'

एसएमजेएन कॉलेज में आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की गोष्ठी का आयोजन

लोगों से मतदान करने का किया आह्वान

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में हुई गोष्ठी में छात्र-छात्राओं समेत सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के महापर्व के दिन सब काम छोड़कर पहले मतदान करने का आह्वान किया गया।

शनिवार को कॉलेज में हुई गोष्ठी में प्राचार्य डा. एसके बत्रा ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मताधिकार सबसे बड़ा हथियार है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. एसके माहेश्वरी ने कहा कि देश का लोकतंत्र दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र में आता है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए छात्र-छात्राओं की अहम भूमिका है। संदीप

सतत् विकास के लिए धरा का भूगोल रहे सुरक्षित: रविन्द्र पुरी

भाषण प्रतियोगिता में विशाल ने प्रथम, अर्शिका द्वितीय व कृतिका तृतीय स्थान पर रही

6 दैनिक जागरण हरिद्वार/रुड़की जागरण

प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित करने पर ज

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर शिक्षण संस्थानों में विचार गोष्ठी, भाषण प्रतियोगिता और माडल प्रदर्शनी का आयोजन

सख्ती से कराएं आचार संहिता का पालन

ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र के जोनल मजिस्ट्रेट ने पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

'बिना चुनाव में पुलिस का सहयोग करें ग्रामीण'

बुधवार ईवीएम और वीवीपैट का रैंडमाइजेशन

इन नेताओं की रही मौजूदगी

कॉलेज प्रबन्धन

श्रद्धेय गुरू श्री निरंजनदेव जी
पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी

श्री महंत रविन्द्र पुरी जी
अध्यक्ष, कॉलेज प्रबन्ध समिति
अध्यक्ष, मनसा देवी मन्दिर ट्रस्ट

श्री महंत रामरतन गिरी जी
सचिव, कॉलेज प्रबन्ध समिति

डॉ. सुनील कुमार बत्रा
प्राचार्य

एस.एम.जे.एन. (पी.जी.) कॉलेज

गोविन्दपुरी, हरिद्वार-249401 (उत्तराखण्ड)
(श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाही थौल टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड से सम्बद्ध)

श्री महन्त रविन्द्र पुरी
अध्यक्ष, कॉलेज प्रबन्ध समिति
फैक्स-01334-226032
Website:www.smjn.org
E-mail: principal@smjncollege.ac.in

सन्देश

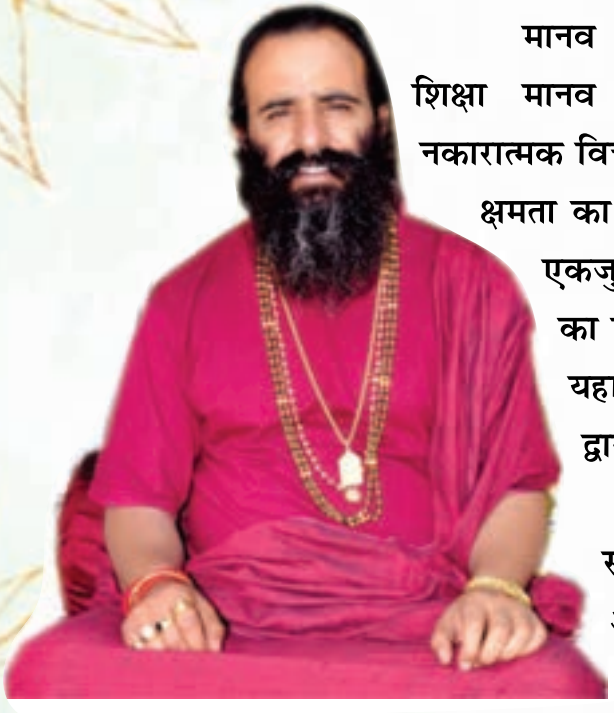

मानव जीवन के विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा मानव मस्तिष्क को सकारात्मकता की ओर मोड़ती है और सभी नकारात्मक विचारधाराओं को समाप्त करती है। शिक्षा एक व्यक्ति को अपनी क्षमता का पता लगाने में मदद करती है जो बदले में एक मजबूत और एकजुट समाज को बढ़ावा देती है। विद्यार्थियों में इसी सकारात्मकता का विकास करने के लिये एस.एम.जे.एन. (पी.जी.) कॉलेज जिसे यहां की ख्याति प्राप्त धार्मिक संस्था पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी द्वारा वर्ष 1960 में स्थापित किया गया था।

हमारा महाविद्यालय जनपद हरिद्वार का सबसे प्राचीन और सबसे बड़ा महाविद्यालय है। इस शिक्षण संस्था में नगर के तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्रायें ग्रहण करने आते हैं। वास्तव में यह महाविद्यालय पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी तथा श्री श्रवणनाथ मठ के सन्तों की साधना का एक आशीर्वाद एवं प्रताप है।

एस.एम.जे.एन. (पी.जी.) कॉलेज विद्यार्थियों को सुरक्षित भविष्य देने के साथ साथ उनमें उच्च आदर्श व नैतिक गुणों का विकास करने में सहायता करता है। मैं आशा करता हूं कि विद्यार्थी इन गुणों को धारण करके राष्ट्र के उत्थान में अपना बहुमूल्य योगदान देकर कॉलेज और अपने अभिभावकों का नाम गौरवान्वित करेंगे। नये शैक्षणिक सत्र में प्रवेश लेने जा रहे सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनायें और शुभाशीष।

(श्री महन्त रविन्द्रपुरी)
अध्यक्ष, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद
अध्यक्ष, माँ मंशा देवी मन्दिर ट्रस्ट
अध्यक्ष, कॉलेज प्रबन्ध समिति

एस.एम.जे.एन. (पी.जी.) कॉलेज

गोविन्दपुरी, हरिद्वार-249401 (उत्तराखण्ड)
(श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाही थौल
टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड से सम्बद्ध)

डॉ. सुनील कुमार बत्रा
प्राचार्य
फोन- 01334-226032
फैक्स-01334-226032
E-mail:principal@smjncollege.ac.in

प्राचार्य की कलम से

प्रिय छात्रों शैक्षणिक सत्र 2022-23 की बधाई!

प्रिय छात्रों शैक्षणिक सत्र 2022-23 की शुरूआत में आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे बहुत हर्ष की अनुभूति हो रही है। मैं इस नवीन शैक्षणिक वर्ष मं आपका स्वागत करता हूं जो एक नई उम्मीद के साथ आया है।-एक उम्मीद है कि कोविड-19 के काले बादलों के बाद, नये सामान्य जीवन में वापस आने की उमंग जल्द दिखायी देगी। वैश्विक महामारी घोषित कोरोना वायरस के चलते समस्त मानव जाति को इसने अपने अपने घरों में सीमित कर दिया था तथा देश की अर्थव्यवस्था पर प्रहार के करने साथ-साथ काम करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया। पिछले दो शैक्षणिक सत्र छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिये चुनौतीपूर्ण थे। कोविड काल की शुरूआत में हमारे प्राध्यापकों ने जो भी तकनीक का ज्ञान था उसका उपयोग करके ऑनलाईन कक्षायें प्रारम्भ की और समय बीतने के साथ हाइब्रिड मोड, ऑनलाईन अथवा ऑफ लाइन मोड का अनुकूलित किया। नई चुनौतियों के साथ पिछले दो सत्रों में ऑनलाईन कक्षाओं को प्रारम्भ किया गया तथा शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम को प्राध्यापकों द्वारा पूर्ण कराया गया जिसका अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा काफी सराहना की गयी।

यह सब निरंजनी अखाड़ा श्री पंचायती के पूज्य संतों एवं श्री महन्त रविन्द्र पुरी जी महाराज अध्यक्ष कॉलेज प्रबन्ध समिति, सचिव श्री महन्त रामरतन गिरि जी महाराज के नेतृत्व व संरक्षण तथा आशीर्वाद से जनपद के सबसे अग्रणी महाविद्यालय द्वारा कोविड-19 में किये गये शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित इस महाविद्यालय के सम्यक बोध भी विद्यार्थियों को कराया गया है। महाविद्यालय का परीक्षाफल विश्वविद्यालय में सदैव ही उत्तम रहा है। एवं कॉलेज के मेधावी विद्यार्थी विश्वविद्यालय की योग्यता सूची में स्थान प्राप्त कर रहे हैं।

इसमें कोई सन्देह नहीं है कि हमारी युवा पीढ़ी असीम ऊर्जा एवं सृजनात्मक क्षमता की धनी है, बस आवश्यकता है ऊर्जा के प्रबल प्रवाह को सही दिशा की ओर मोड़ने की। युवा के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी हम शिक्षकों की भी है। शिक्षक के रूप में हमारा दायित्व विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं, वरन् बड़े धैर्य और सूझबूझ के साथ उनकी सोच, नई जीवन शैली और नये जीवन मूल्यों को समझकर, उनके साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित कर, उन्हें पारम्परिक जीवन मूल्यों, आदर्शों और सुसंस्कारों से जोड़े रखना भी है। युवा पीढ़ी विस्तार पाये, ऊंचाई पाये, खूब फूले-फले पर अपनी मूल जड़ों से जुड़कर ही, इतनी सजगता वर्तमान समय में हमें रखनी होगी। हमें युवा पीढ़ी का सच्चा मार्गदर्शक बनना है और हम अपने उद्देश्य में तभी सफल हो पायेंगे, जब हम युवा विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और सरोकार की उदात्त भावना भी रोपित कर सकें।

कोरोना काल के विगत सत्रों में महाविद्यालय परिवार के सभी छात्र-छात्रायें, प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी इस हेतु बधाई के पात्र हैं, जिनके सहयोग ने यह उपलब्धियां हासिल की हैं। मैं आशा करता हूं कि आगे आने वाले सत्र में भी महाविद्यालय निरन्तर ऊंचाईयों की ओर अग्रसर होगा। प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी रूचि के विषयों में वांछित व उच्चस्तरीय शिक्षा मिले, यही महाविद्यालय का संकल्प है।

स्नातक प्रथम, द्वितीय व स्नातकोत्तर प्रथम, द्वितीय में प्रवेशार्थी का प्रवेश श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाही थौल, टिहरी गढ़वाल के नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप होंगे।

डॉ. सुनील कुमार बत्रा
प्राचार्य

Dr. S.K. Maheshwari
Dean, Student Welfare

S.M.J.N. (P.G.) College
Govindpuri, Haridwar (249401)
E-mail:principal@smjncollege.ac.in
Website:www.smjn.org

सन्देश

प्रिय छात्रों

2022-23 शैक्षणिक सत्र में कॉलेज परिवार आपका स्वागत करता है। जब आप महाविद्यालय के मुख्य द्वार से अंदर प्रवेश करते हैं तो आपके मन में कुछ बनने की, कुछ करने की ललक होती है। आपकी भावनायें परिवार, कॉलेज समाज और देश के लिये श्रेष्ठकर, अपने सपनों को पूरा करने के लिये व्याकुल होती हैं। कॉलेज ऑफलाइन मोड के साथ जहां आवश्यकता होती है, ऑनलाईन मोड पर भी आपके साथ कनैक्ट रहता है।

आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें कि आप जनपद के प्रतिष्ठित महाविद्यालय में प्रवेश लेने जा रहे हैं। हम पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के पूज्य संतों के इस विश्वास को हमेशा बनाये रखते हैं 'यत्र नार्यस्तु पूज्यनते रमन्ते सत्र देवता'।

पूज्य संतों का यह महाविद्यालय आपको एक श्रेष्ठ वातावरण अपने सपनों को पूरा करने के लिये उपलब्ध कराता है। पूज्य संतों द्वारा सिंचित कॉलेज का परिणाम है कि असंख्यों की संख्या में राजनेता, प्रशासक, संगीतज्ञ, सी.ए. एवं सामाजिक कार्यकर्ता इस भूमि से निकलकर अपनी सुगन्ध हरिद्वार एवं सम्पूर्ण देश में फैला रहे हैं।

छात्र कल्याण परिषद् भी आपके वर्ष भर मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक क्षमता को परिष्कृत करने वाले कार्यक्रम आयोजित करता है। आप इसमें प्रतिभाग करके अपने व्यक्तित्व को चार चांद लगा सकते हैं। आप सभी का एक बार पुनः कॉलेज परिवार में स्वागत है।

श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिये आपको आशीर्वाद।

(डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी)
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

Dr. M.M. Gupta
Chief Procter
Chief Exam Controller

S.M.J.N. (P.G.) College
Haridwar-249401
E-mail:principal@smjncollege.ac.in
Website:www.smjn.org

सन्देश

प्रिय विद्यार्थियों

आप सभी को नवीन सत्र 2022-23 की हार्दिक शुभकामनायें एस.एम.जे.एन. (पी.जी.) कॉलेज, हरिद्वार एक अनुशासित तथा सुव्यवस्थित कॉलेज के रूप में ख्याति प्राप्त है। परिसर में विद्यार्थियों को निर्धारित वेशभूषा में आना आवश्यक किया गया है तथा छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं सहभागिता हेतु छात्र कल्याण परिषद कार्य करता है।

मुझे यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि महाविद्यालय की मातृ संस्था पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के पूज्य संतों एवं कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री महन्त रविन्द्रपुरी जी महाराज, कॉलेज प्रबन्ध समिति के सचिव, श्री महन्त रामरतन गिरि जी महाराज के नेतृत्व में महाविद्यालय में अध्ययन एवं शोध के लिये अनुकूल वातावरण बनाया जाना संभव हो सका है।

अनुशासन छात्र जीवन की महत्ती आवश्यकता है, इस तथ्य का सम्यक् बोध भी छात्रों को कराया जाता है। वर्ष भर अध्ययन-अध्यापन का माहौल रहने के कारण ही परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग प्रायः नगण्य है। अतः इस आधार पर अनुशासन और व्यवस्था की दृष्टि से निःसंकोच यह उत्तराखण्ड के एक आदर्श महाविद्यालय के रूप में स्थापित है, जहां छात्र-छात्राओं को प्रवेश बिना किसी भेदभाव के केवल योग्यता सूची के आधार पर ही दिया जाता है।

(डॉ0 मनमोहन गुप्ता)
मुख्य अनुशासन अधिकारी
मुख्य परीक्षा नियंत्रक

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

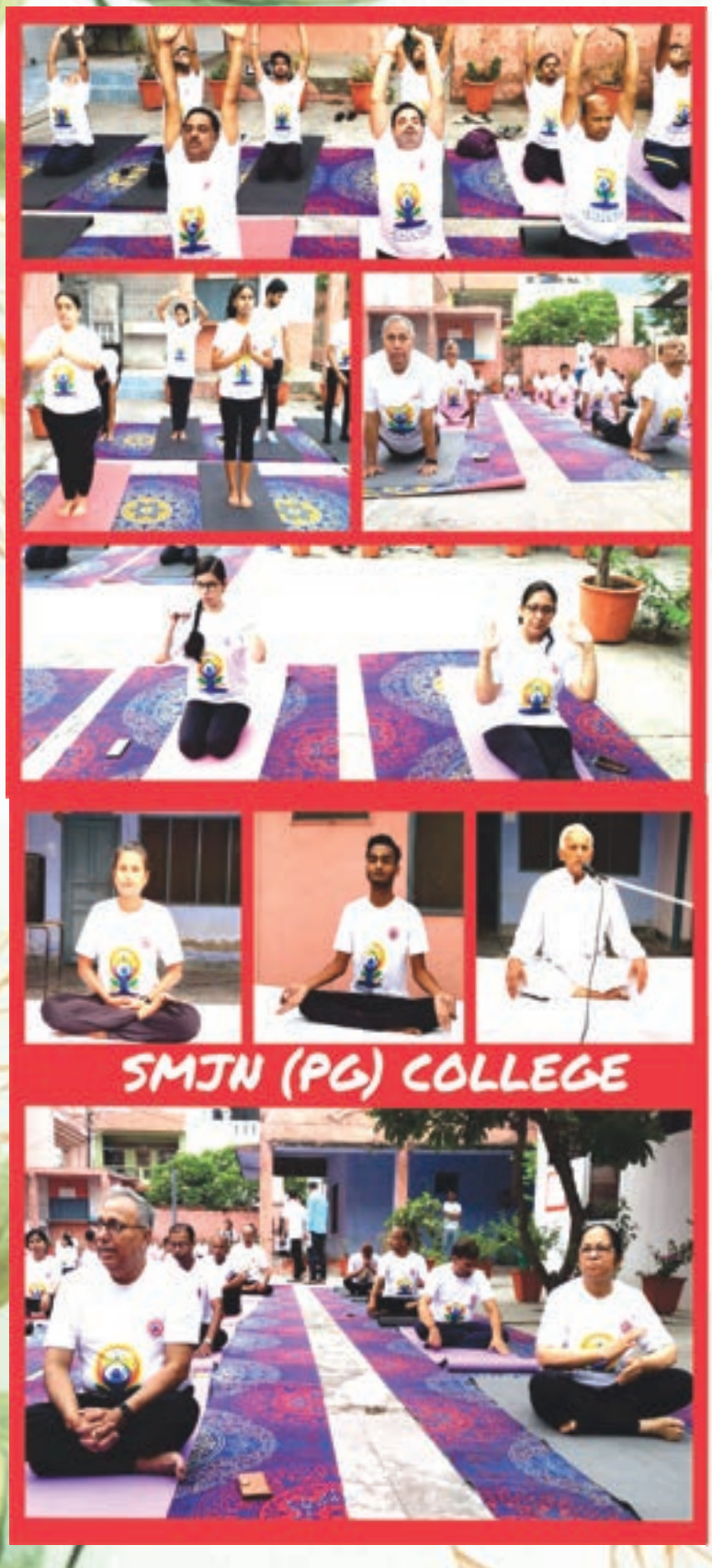

चित्रों के झरोखें से

अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते

-ईशावास्योपनिषद्-11

tks fo|k&vfo|k bu nksuksa dks ,d lkFk tkurk gS] og vfo|k (HkkSfrd Kku) ls e`R;qyksd dks ikj djds fo|k ls ve`rUo dks çklr dj ysrk gSA deZ ls thou esa mikluk vk tkrh gS vkSj mikluk ls gh ve`r rUo dh çkfIr gksrh gSA ;g mikluk gh fo|k gSA laHkor% blhfy, gekjs riksfu"B lf"k vkSj vkpk;Z fo|k dks mikluk dk i;kZ; ekudj mldh lkèkuk esa jr jgdj mlds lE;d~ çlkj esa lnSo layXu jgsA dkykarj esa vkJe O;oLFkk cnyh] f'k{kk ds midj.k Hkh cnys] fdarq lekt ds vH;qn; dh dkeuk j[kus okys larksa dh ço`fUk vifjo£rr jgh] mudh ekuorkoknh n`f"V o yksdeaxy dh Hkkouk igys tSlh gh jghA ;gh dkj.k gS fd iwoZdky dh Hkk¡fr Lokra=;kspkj ;qx esa Hkh mPpLrjh; vè;;u&vè;kiu ds vusd dsaæ fo|kuqjkxh bu lar&egkRekvksa }kjk LFkkfir fd, x,A gekjk ,lñ,eñtsñ,uñ (ihñthñ) dkWyst Hkh ,rf}"k;d f'k{k.k laLFkkuksa esa ls ,d gS] ftls ;gk¡ dh [;kfr çklr èkk£ed laLFkk riksfufèk iapk;rh v[kkM+k Jh fujatuh ds larksa ,oa euhf"k;ksa ds lfØ; lg;ksx ls lu~ 1960 bZñ esa LFkkfir fd;k FkkA ml le; bldk uke t; Hkkjr lkèkq egkfo|ky; j[kk x;k] fdarq lu~ 1962 bZñ esa bldk ifjo£rr uke ¶Jh Jo.kukFk eB tokgjyky usg: fMxzh dkWyst gfj}kj dj fn;k x;kA

यह उल्लेखनीय है कि पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के उदारमना तथा विद्यानुरागी संतों की प्रेरणा और उन्हीं के संरक्षण में यह संस्था तभी से निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। संप्रति यहाँ तीनों संकाय-कला, वाणिज्य और विज्ञान के अंतर्गत विविध विषयों में उच्चस्तरीय अध्ययन-अध्यापन का कार्य सुचारु रूप से हो रहा है। रोजगारोन्मुख शिक्षा की उपयोगिता एवं उद्योग जगत तथा शिक्षा जगत के मध्य उत्पन्न रिक्तता को समाप्त करने के उद्देश्य से एक मेमोरेन्डम ऑफ अन्डरस्टेडिंग (MOU) कॉलेज प्रबन्धन एवं सिडकुल मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन (SMAU) के मध्य हस्ताक्षरित किया गया।

विद्यार्थियों की संख्या की दृष्टि से तथा अन्य गुणात्मक दृष्टिकोण से कॉलेज सतत विकासोन्मुख है। कॉलेज का परीक्षाफल विश्वविद्यालय में सदैव ही उत्तम रहा है। छात्र-छात्राएँ यहाँ के शांत वातावरण में तल्लीनता व मनोयोग के साथ अपनी अध्ययन क्षमता को विकसित करके सम्मानजनक अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करते रहे हैं। शिक्षणेतर गतिविधियों के माध्यम से अपनी रुचि विकसित करके विद्यार्थी विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होकर तद्विषयक विशिष्टता प्राप्त करने की सफल चेष्टा भी करते हैं।

अनुशासन छात्र जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है, इस तथ्य का सम्यक् बोध भी छात्रों को कराया जाता है। वर्ष भर अध्ययन-अध्यापन का माहौल रहने के कारण ही परीक्षाओं में अनुचित साधनों का प्रयोग प्रायः दिखाई नहीं पड़ता है। अस्तु, अनुशासन और व्यवस्था की दृष्टि से निःसंकोच यह एक आदर्श महाविद्यालय कहा जा सकता है जहाँ छात्रों का प्रवेश बिना किसी भेदभाव के केवल मेरिट के आधार पर ही किया जाता है।

प्राध्यापक-मंडल में योग्य एवं अनुभवी प्राध्यापकों की व्यवस्था है। सभी आचार्य शिक्षा के वांछनीय स्तर को बनाए रखने के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं। कर्मचारी वर्ग भी विद्यार्थियों को हर प्रकार की सहायता एवं सहयोग देने को तत्पर रहता है। कॉलेज परिसर में छात्रों की अध्ययन निष्ठा को गतिशील बनाए रखने के लिए एक भव्य पुस्तकालय है जहाँ विभिन्न विषयों की लगभग 48,000 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। छात्रों को सामान्य जानकारी देने के उद्देश्य से पुस्तकालय में अनेक उच्चस्तरीय पत्र-पत्रिकाएँ भी मंगवाई जाती हैं। छात्रों के लिए वाचनालय की भी व्यवस्था है, जहाँ वे उनका अवलोकन करके अपने सामान्य ज्ञान में वृद्धि कर सकते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी रुचि के विषयों में वांछित व उच्चस्तरीय शिक्षा मिले, यही हमारा पावन संकल्प है।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलोर द्वारा मार्च 2004 में महाविद्यालय का मूल्यांकन कर महाविद्यालय को बी श्रेणी प्रदान की गई। इन पाठ्यक्रमों को सफल बनाने के लिए तथा अपने महाविद्यालय को उत्तराखंड शासन द्वारा विशिष्ट महाविद्यालय का दर्जा दिलाने हेतु सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी वर्ग निरंतर प्रयासरत हैं। अतः विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं प्राध्यापकों को नाम के अनुरुप पूर्ण मनोयोग से और अधिक गुणवत्ता युक्त बनना होगा। आशा है हम सभी वर्तमान सत्र में अनेक क्षेत्रों में अधिक गतिशील, चिंतनशील एवं अध्ययनशील होंगे।

Whoever understands meditation and karma as going together,
(he) overcoming death through karma, attains immortality through meditation.

-ISAVASYOPANISHAD-11

He, who knows *meditation*and *karma*together, overcoming *death* through *karma* attains*immortality* through *meditation*. The worship comes in life through*Karma* and *immortality* is attained in life only by *Worship*. This worship is *meditation*. Perhaps, that is why our ascetic Sage and Acharya were engaged in their*sadhana* as an alternative to worship, and also engaged in the propagation of it. As time passes away, Ashram system was changed, so the tools of education too. However, the tendency of these Saints who wished for the advancement of society remained unchanged; their humanistic vision and the feeling of *public welfare* remained the same. It is for this reason that like in the past, many centers of teaching have been established by these Saints-Mahatmas. Our ***S.M.J.N.(P.G.) College*** is also one of the educational institutions that was established at Haridwar by the saints and learned persons of well-known religious institution of ***Panchayati Akhara Shri Niranjani*** in the year 1960. Initially, the college was named as ***Jai Bharat Sadhu Mahavidyalaya***. In the year 1962, it was renamed as***Shri Shravan Nath Math Jawaharlal Nehru Degree College,*** now popularly known as ***S.M.J.N. (P.G.) College.***

It is worth mentioning here that this institution has been continuously moving on the path of development with the inspiration and patronage of scholarly and liberal Saints of ***Panchayati Akhara Shri Niranjani*** At present, high-level teaching-learning in many subjects of three streams (Arts, Commerce and Science) has been conducting smoothly. To provide greater opportunities of better applied education and employment to students, an MOU(*Memorandum of understanding*) has also been signed by College Management Committee with ***Sidcul*** Manufacturers Association Uttarakhand (SMAU) in Haridwar.

From the point view of number of students and other qualitative parameters, the college is growth-oriented. The results in examination have remained excellent for years in the university. The students have shown outstanding performance in the university exams by developing their learning skills with their consistent efforts under the guidance of the learned teaching faculty in the peaceful ambience of the college. They also aim to succeed and achieve new heights in various fields through participation in various competitions at University level.

Students are educated to realize the fact that discipline is the essential requirement of their life. The use of unfair means in examinations is not often seen due to a congenial learning environment of the college throughout the year. Our college is an ideal institution from the point of view of discipline and system where admission of students is done on the basis of merit without any discrimination.

There are qualified and experienced teachers in the staff. All teachers do their efforts to maintain the desirable standard of education. Staff members provide help and support to the students. There is a rich library in the college premises to support and enhance the knowledge and competitive abilities of the students to keep pace with the time and more than 48000 books of different subjects are available in it. In order to give general information to students, many high-level newspapers and magazines are also subscribed in the library. There is arrangement of a reading room also where they can enhance their general knowledge. Our pious determination is to provide desirable and higher education to each student according to his/her interest.

In March 2004, the National Assessment and Accreditation Council awarded "**B"grade** to the college. All professors and staff members are constantly trying to make these courses a success and to get the status of a special college by Uttarakhand government. Therefore, students, employees and professors will have to become more qualitative with full respect according to the name. Hope we all will be more dynamic, reflective and studious in many areas in the current session.

महाविद्यालय-परिवार

अध्यक्ष, कॉलेज प्रबन्ध समिति – श्री महन्त रविन्द्र पुरी जी

सचिव, कॉलेज प्रबन्ध समिति – श्री महन्त रामरतन गिरी जी

प्राचार्य – डॉ॰ सुनील कुमार बत्रा

प्राध्यापक-मंडल*

वाणिज्य संकाय

1. डॉ॰ सुनील कुमार बत्रा	एम॰कॉम॰, एम॰ए॰ (अर्थशास्त्र), डी॰ फिल॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **प्राचार्य**
2. डॉ॰ मनमोहन गुप्ता	एम॰कॉम॰, एम॰ए॰ (अर्थशास्त्र), डी॰ फिल॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **विभागाध्यक्ष**
3. डॉ॰ तेजवीर सिंह तोमर	एम॰कॉम॰, एम॰ए॰ (अर्थशास्त्र), पी॰-एच॰डी॰	एसोसिएट प्रोफेसर
4. रिक्त		

कला संकाय

अर्थशास्त्र विभाग

1. रिक्त		असिस्टेंट प्रोफेसर
2. रिक्त		असिस्टेंट प्रोफेसर

अंग्रेजी विभाग

1. डॉ॰ (श्रीमती) नलिनी जैन	एम॰ए॰, एम॰फिल॰, पी-एच॰डी॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **अध्यक्ष**
2. रिक्त		असिस्टेंट प्रोफेसर

इतिहास विभाग

1. डॉ॰ संजय कुमार माहेश्वरी	एम॰ए॰, एल-एल॰बी॰ एम॰फिल॰, पी-एच॰डी॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **अध्यक्ष**

राजशास्त्र विभाग

1. श्री विनय थपलियाल	एम॰ए॰ (राजशास्त्र)	असिस्टेंट प्रोफेसर एवं **अध्यक्ष**
2. रिक्त		

संस्कृत विभाग

रिक्त		असिस्टेंट प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

1. डॉ॰ जगदीश चंद्र आर्य	एम॰ए॰, पी-एच॰डी॰	एसोसिएट प्रोफेसर एवं **अध्यक्ष**
2. डॉ॰ सुषमा नयाल	एम॰ए॰, पी-एच॰डी॰	असिस्टेंट प्रोफेसर

हिन्दी विभाग

1. रिक्त		असिस्टेंट प्रोफेसर
2. रिक्त		असिस्टेंट प्रोफेसर

विज्ञान संकाय

गणित/ रसायन विज्ञान/ भौतिक विज्ञान/ वनस्पति विज्ञान / जंतु विज्ञान एवं कम्प्यूटर साइंस

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

पी॰जी॰डी॰सी॰ए॰ / पी॰जी॰डी॰जे॰एम॰सी॰

उपरोक्त सभी में शिक्षक संविदा के आधार पर नियुक्त किये जाते हैं।

'यह सूची विभागानुसार है न कि वरिष्ठता क्रम में।

शिक्षणेतर कर्मचारीगण

कार्यालय–

1.	श्री मोहन चन्द पांडेय	– कार्यालय अधीक्षक
2.	श्री वेद प्रकाश चौहान	– स्टेनोग्राफर
3.	रिक्त	– सहायक लेखाकार
4.	श्रीमती हेमवंती	– लिपिक
5.	श्री संजीत कुमार	– लिपिक
6.	रिक्त	– लिपिक
7.	रिक्त	– लिपिक
8.	श्री घनश्याम सिंह	– परिचर

पुस्तकालय–

1.	रिक्त	– पुस्तकालय अध्यक्ष
2.	श्री राजकुमार	– पुस्तकालय लिपिक
3.	श्री अशोक कुमार	– पुस्तकालय लिपिक
4.	रिक्त	– पुस्तकालय लिपिक
5.	श्री कैलाश चन्द्र जोशी	– परिचर
6.	श्री कुंवर पाल सिंह	– परिचर
7.	श्री ओमी चन्द	– परिचर
8.	रिक्त	– बुक बांईडर
9.	रिक्त	– बुक लिफ्टर

उपनल कर्मी

श्री सुशील कुमार (परिचर)
श्री शिवप्रसाद (परिचर)
श्री कमल नेगी (चौकीदार)
श्री राकेश (चौकीदार)
श्री विशाल कुमार (सफाई कर्मी)

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1. महाविद्यालय प्रवेश फार्म एवं विवरण पत्रिका – 27–06–2022
   प्रवेश पंजीकरण ऑनलाईन प्रारम्भ – कॉलेज वेबसाईट **www.smjn.org**
2. ऑनलाईन पंजीकरण की अन्तिम तिथि – 10–07–2022
3. योग्यता सूची का महाविद्यालय – 20–07–2022
   सूचनापट एवं कॉलेज वेबसाइट पर प्रकाशन
4. योग्यता सूची से अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रारम्भ – 22–07–2022
   प्रवेश हेतु साक्षात्कार का समय – प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक
5. प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन एवं अभ्यर्थियों का प्रवेश – 05–08–2022
6. कक्षा आरम्भ – 10–08–2022
   प्रवेश फार्म की उपलब्धता कॉलेज वेबसाइट पर – 27–06–2022

छात्र/छात्रा अपना शुल्क ऑनलाइन कॉलेज के खाते में जमा करेंगे।

महाविद्यालय कैम्पस वाई–फाई (WiFi) सुविधा से आच्छादित है।

नोट– अपरिहार्य परिस्थितियों अथवा कोविड 19 के दिशा निर्देशों के तहत उपरोक्त तिथियों में परिवर्तन संभव है।

नोट : प्रवेश के समय अभ्यर्थी अनिवार्यतः स्वयं एवं अपने अभिभावक के साथ उपस्थित हो तथा अपने साथ सभी मूल प्रमाण–पत्र तथा उनकी सत्यापित प्रतियां साथ लायें। इसके लिये कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जायेगा। छात्र/छात्रायें जिस वर्ग (जाति–प्रमाण–पत्र उत्तराखण्ड शासन द्वारा निर्गत जाति प्रमाण–पत्र ही स्वीकार होगा। खेलकूद प्रमाण–पत्र, राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय स्तर एवं एन.एस.एस./एन.सी.सी.) का लाभ लेना चाहते है, उसके प्रमाण–पत्र की प्रमाणित कॉपी, रजिस्ट्रेशन फार्म के साथ संलग्न करें। इसके पश्चात् किसी भी छात्र–छात्रा का कोई भी प्रमाण पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।

विशेष–छात्र/छात्रा अपने पूर्ण रुप से ऑनलाईन भरे हुए प्रवेश फार्म की हार्ड कॉपी सत्यापित प्रतिलिपियों के साथ एवं मूल प्रमाण पत्रों को लेकर साक्षात्कार के समय उपस्थित होंगे।

अन्य जानकारी हेतु कॉलेज की वेबसाइट **www.smjn.org** का अवलोकन कर सकते हैं।

उपलब्ध पाठ्यक्रम व न्यूनतम प्रवेश योग्यता एवं उपलब्ध सीटों की संख्या

क्र.सं.	कक्षा (वर्ष)	विषय	न्यूनतम प्रवेश योग्यता	अनुमोदित सीट
1.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)	अर्थशास्त्र	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
2.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)	अंग्रेजी	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
*3.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)**	हिन्दी	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
*4.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)**	राजनीतिशास्त्र	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
*5.	एम०ए० (प्रथम सेमेस्टर)**	समाजशास्त्र	स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण	60
*6.	एम०कॉम०(प्रथम सेमेस्टर)**	वाणिज्य	बी०कॉम० अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	80
7.	बी०ए० प्रथम वर्ष	अर्थशास्त्र, अंग्रेजी हिन्दी, इतिहास राजनीति शास्त्र, संस्कृत समाज शास्त्र, संगीत*	इंटरमीडिएट अथवा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड वि०वि० द्वारा स्वीकृत समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	240
8.	बी०कॉम० प्रथम वर्ष/सेमेस्टर	(समस्त विषय समूह)	इंटरमीडिएट अथवा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड वि०वि० द्वारा स्वीकृत समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	180
*9.	बी०कॉम० स्ववित्त पोषित प्रथम (वर्ष)/सेमे.**	(समस्त विषय समूह)	इंटरमीडिएट अथवा श्रीदेव सुमन उत्तराखंड वि०वि० द्वारा स्वीकृत समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	180
*10.	बी०एस-सी० (प्रथम वर्ष)/सेमेस्टर** स्ववित्त पोषित	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित	संबंधित विषयों सहित इंटरमीडिएट या श्री देवसुमन उत्तराखंड वि०वि० द्वारा मान्य समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	60
*11.	बी०एस-सी० (प्रथम वर्ष)/सेमेस्टर'' स्ववित्त पोषित	रसायन शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान	सम्बन्धित विषयों सहित इंटरमीडिएट या श्री देव सुमन उत्तराखंड वि0वि0 द्वारा द्वारा मान्य समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण	40
12.	बी०एस-सी० (प्रथम वर्ष)/सेमेस्टर'' स्ववित्त पोषित	भौतिक विज्ञान, गणित एवं कम्प्यूटर साईंस		40
*13.	एम०ए०/एम०कॉम० (तृतीय सेमेस्टर)		क्रमशः एम०ए०/एम०कॉम० (द्वितीय सेमेस्टर) की परीक्षा उत्तीर्ण	
*14.	बी०ए०/बी०कॉम०/बी०एस-सी० द्वितीय वर्ष		बी०ए०/बी०कॉम०/बी०एस-सी० प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण	
15.	बी०ए०/बी०कॉम०/बी०एस-सी० (पंचम सेमेस्टर)		क्रमशः बी०ए०/बी०कॉम०/बी०एस-सी० की चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण	

सत्र 2022-23 से प्रथम वर्ष/सेमेस्टर के पाठयक्रम श्री देव सुमन उत्तराखंड वि0वि0 के दिशा निर्देशों के आधार पर ही चलेगें।

विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2022-23 में बी.ए./ बी. कॉम/ बी.एस-सी. में तथा एम.ए./एम.कॉम. एवं पी.जी. प्रथम वर्ष पाठ्यक्रमों में प्रवेश श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के आधार पर किये जायेंगे।

***यह सभी पाठ्यक्रम स्ववित्तपोषित योजनांतर्गत संचालित किए जा रहे हैं।**
****सत्र 2022-23 के लिए उक्त पाठ्यक्रमों की संबद्धता विस्तारण प्रत्याशित है।**
*****पंचम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं हे. न. ब. गढ़वाल वि.वि. द्वारा सेमेस्टर प्रणाली में बनाए गये सभी नियम लागू होंगे।**

प्रवेश सम्बन्धी नियम सत्र 2022-23

1. प्रवेश केवल योग्यता के आधार पर किया जाएगा। कला एवं वाणिज्य में स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में न्यूनतम 40% अंक आवश्यक हैं। उदाहरणार्थ 39.90% को भी 40% नहीं माना जाएगा। बी॰एस-सी॰ प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक आवश्यक है। स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु स्नातक या समकक्ष परीक्षा में वि.वि. द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक/ग्रेड ही मान्य होंगे। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश अर्हता में 5% अंकों की छूट होगी।
2. **प्रवेश में आरक्षण का लाभ शासन द्वारा समय-समय पर जारी प्रावधानों के अंतर्गत दिया जायेगा।**
3. बी.कॉम. प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु व्यावसायिक वर्ग से इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्रा की मेरिट का आकलन उसके प्रैक्टिकल में प्राप्त अंकों को छोड़कर केवल थ्योरी में प्राप्तांक के आधार पर किया जाएगा।
4. पहले से ही किसी विषय में स्नातकोत्तरीय उपाधि प्राप्त विद्यार्थी को किसी अन्य विषय में एम॰ए॰/एम॰कॉम॰ सेमेस्टर प्रणाली में अन्तर्गत संस्थागत प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
5. अनुत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को किसी भी कक्षा एवं संकाय में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस विश्वविद्यालय से अनुत्तीर्ण छात्र अथवा ड्रापर भूतपूर्व छात्र के रूप में केवल परीक्षा में वि. वि. नियमानुसार सम्मिलित हो सकते हैं। ड्रापर से तात्पर्य है कि छात्र ने विधिवत प्रवेश लेने के पश्चात् पूरे सत्र अध्ययन किया हो और किसी कारणवश परीक्षा में सम्मिलित नहीं हुआ हो।
6. छात्र/छात्राओं को स्नातक स्तर पर छह (6) वर्ष तथा स्नातकोत्तर स्तर पर चार (4) वर्ष तक ही संस्थागत विद्यार्थी के रूप में अध्ययन करने की सुविधा होगी जिसमें एक वर्ष का गैप वर्ष भी सम्मिलित रहेगा।
7. **दो वर्ष से अधिक गैप के पश्चात् प्रवेश नहीं मिलेगा। गैप वर्ष के साक्ष्य के रूप में सक्षम न्यायालय के नोटरी द्वारा अभिप्रमाणित शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।**
8. **प्रवेश केवल रिक्त स्थान रहने तक ही दिए जाएंगे। प्रवेश के लिए निर्धारित अंतिम तिथि तक प्रवेश करने के लिए कॉलेज बाध्य नहीं होगा। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश की अंतिम तिथि 09.08.2022 होगी।**
9. **बी॰ए॰ (प्रथम वर्ष) के प्रवेशार्थियों के योग्यता सूची में आने पर भी उनके द्वारा चयनित विषयों में प्रवेश केवल तभी दिया जाएगा जब तक उन विषयों में स्थान रिक्त हों। चयनित विषयों में स्थान उपलब्ध न होने की दशा में प्रवेशार्थियों को प्रवेश हेतु उस विषय का चयन करना होगा जिसमें स्थान उपलब्ध हों।**
10. **प्रवेश के समय छात्र द्वारा लिए गए विषयों को सत्र के मध्य परिवर्तित करने की अनुमति नहीं होगी।**
11. **निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रवेश हेतु उपस्थित न होने या निर्धारित तिथि तक शुल्क न जमा कराने पर प्रवेशार्थी अपना प्रवेश का अधिकार खो देगा तथा उसके स्थान पर दूसरे योग्य अभ्यर्थी का प्रवेश मैरिट के आधार पर कर दिया जाएगा।**
12. **कॉलेज के प्राचार्य को यह अधिकार है कि कॉलेज के अनुशासन और व्यवस्था के दृष्टिकोण से किसी भी विद्यार्थी को बिना कारण बताए प्रवेश देने से मना कर दे।**
13. किसी ऐसे विद्यार्थी को भी कॉलेज में प्रवेश नहीं दिया जाएगा जो कॉलेज की परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए या प्रयोग का प्रयत्न करते हुए पकड़ा गया हो अथवा जिसके विरुद्ध परीक्षा में दुर्व्यवहार का प्रतिवेदन लिखा गया हो।
14. **पुलिस के अभिलेख में अपराधियों की सूची में शामिल अथवा चरित्र-हीनता के कारण न्यायालय द्वारा दंडित व्यक्तियों या फौजदारी के अभियुक्तों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।**
15. **हिंसक व्यवहार या दुर्व्यवहार, रैगिंग या कॉलेज स्टाफ के प्रति अभद्र व्यवहार करने के दोषी विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा अथवा प्रवेश होने की स्थिति में प्रवेश रदद् कर दिया जायेगा।**
16. **कॉलेज में श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय की प्रवेश संबंधी नियमावली के अंतर्गत ही प्रवेश किए जाएंगे। यदि इन प्रवेश संबंधी नियमों का उल्लंघन होता है तो ऐसा प्रवेश विश्वविद्यालय/कॉलेज प्रशासन द्वारा स्वत: ही रद्द कर दिया जाएगा।**
17. किसी भी छात्र-छात्रा को अगली कक्षा में तभी प्रवेश दिया जा सकेगा, जबकि उसके द्वारा पूर्व परीक्षा में उस पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित क्रेडिट अंकों को अर्जित कर लिया गया हो।

18. किसी भी छात्र-छात्रा को सत्र के मध्य अथवा किसी सेमेस्टर को पूरा करने के पश्चात् अगले सेमेस्टर में किसी अन्य कॉलेज से ट्रांसफर की अनुमति विश्वविद्यालय की पूर्व स्वीकृति के बिना नहीं होगी।
19. आवेदन पत्र में अभ्यर्थी द्वारा दिया गया विवरण यदि अपूर्ण/असत्य पाया गया हो उसका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
20. **शासन/विश्वविद्यालय से यदि प्रवेश संबंधी किसी अन्य नियम की अथवा उपर्युक्त नियमों में संशोधन की सूचना मिलती है तो उसका पालन तदनुसार किया जाएगा।**
21. बी॰ए॰/बी॰कॉम॰/बी॰एस-सी॰ अथवा एम॰ए॰/एम॰कॉम॰ प्रथम वर्ष/सेमेस्टर में प्रवेश हेतु आवश्यक अर्हता (क्रमश: इंटरमीडिएट तथा स्नातक) के समकक्ष योग्यता के विषय में अधिक जानकारी हेतु प्रवेश समन्वयक अथवा कॉलेज कार्यालय से संपर्क करें।
22. संस्थागत छात्र उपाधि हेतु एक ही सत्र में अन्य किसी शिक्षा संस्थान में संस्थागत प्रवेश नहीं लेगा और न ही अन्य उपाधि हेतु परीक्षा में शामिल होगा। यदि कोई छात्र/छात्रा इस नियम का उल्लंघन कर परीक्षा में शामिल हो जाता है तो विश्वविद्यालय द्वारा उसकी परीक्षा निरस्त कर दी जाएगी। शोध छात्रों पर भी यह नियम लागू होगा। उदाहरणार्थ बी॰ए॰, बी॰एस-सी॰, बी॰कॉम॰, बी॰एड॰, एम॰कॉम॰, एल-एल॰बी॰ और डिप्लोमा (अभियंत्रण) तथा सर्टिफिकेट कोर्स जैसे बी॰टी॰सी॰, एम॰ए॰, एम॰एस-सी॰, एम॰कॉम॰, एल-एल॰बी॰, एम॰एड॰, एम॰एन॰एफ॰ई॰ की कक्षाओं में प्रवेश लिए हुए छात्र दूसरी कक्षा में प्रवेश नहीं ले सकते हैं। नियम का उल्लंघन करने पर प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।
23. प्रवेश के पूर्व ही स्थानांतरण प्रमाण पत्र (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) जमा करना आवश्यक है। किसी अन्य विश्वविद्यालय के छात्र को विश्वविद्यालय परीक्षा फार्म ऑनलाइन भरते समय प्रवजन प्रमाण पत्र (माइग्रेशन) जमा करना होगा अन्यथा उसका अस्थाई प्रवेश निरस्त हो जाएगा।
24. **उच्च शिक्षा निदेशालय उत्तराखण्ड हल्द्वानी (नैनीताल) के पत्रांक संख्या डिग्री सेवा/विविध/8639 दिनांक 7.01.2019 के अनुसार दिव्यांग छात्र-छात्राओं को प्रवेश में 5 प्रतिशत सीट एवं 5 वर्ष आयु में शिथिलता प्रदान की जायेगी।**
25. **सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर (EWS) छात्र-छात्राओं को प्रस्तावित प्रवेश आरक्षण का लाभ वि.वि. द्वारा निर्धारित नियमावली भारत/राज्य सरकार के नियमों/ शासनादेश के अनुरूप देय होगा।**

✻ **विशेष–**

✻ **प्रत्येक विषय में सीटों की संख्या वि.वि. द्वारा निर्धारित संख्या से अधिक नहीं होगी। वि.वि. द्वारा सीटों की संख्या में वृद्धि/कमी की जा सकती है।**

✻ **बी॰ए॰/बी॰ कॉम/बी.एस.सी. प्रथम वर्ष/सेमेस्टर/द्वितीय/पंचम सेमेस्टर में विद्यार्थी वि॰वि॰ द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुरूप ही विषयों को चयन कर सकेगा।**

✻ **राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय से (NIOS) इंटरमीडिएट उत्तीर्ण छात्र स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अर्ह हैं।**

✻ **बी॰ए॰ प्रथम वर्ष में अर्थशास्त्र विषय के साथ संगीत विषय को चयनित नहीं किया जा सकता है।**

Rules for Admission (Session: 2022-23)

1. Admission shall be granted only on merit. Minimum 40% marks in intermediate or equivalent examination from Boards recognized by the University are required for admission in year year of B.A./B.Com. (For example, 39.9% will not be considered as 40 %.) Minimum 45% marks are required in intermediate or equivalent examination for admission in first semester of B.Sc. For admission in undergraduate and postgraduate classes, the minimum marks/grade prescribed by the university will be valid. At the time of admission 5% relaxation shall be given only to SC and ST candidates.
2. Reservation in admission shall be given in accordance with the provisions issued by the Government from time to time.
3. Admission in first Year of B.Com to the students who have passed intermediate with any professional course shall be considered only on the basis of marks obtained in theory excluding the marks obtained in practical.
4. A student already having appeared / passed in Master' degree in any subject shall not be granted admission under semester system in M.A./M.com with any other subject.
5. Admission shall not be granted in the same class or stream to the students who have failed in that class in earlier year. In that case only, a failed student or dropper from the university may be admitted as an ex-student in the examination. Dropper means that the student, *duly admitted*, has studied as a regular student during the entire session and has not appeared or has failed in that examination for any reason thereof.
6. A student can study as regular student for maximum of six years at graduate level and for maximum of four years at post graduate level. This period will include one year gap also.
7. Admission shall not be granted to a student having gap of more than two years after passing qualifying exam. As an evidence for the gap, it is mandatory to submit an affidavit attested by the competent court's notary, stating that during the gap, he has not studied as a regular student in any class or course anywhere. If the candidate has been admitted in any professional course after entrance examination organized by the university and he has appeared in examination too, that period shall not be considered as gap. Even then, that applicant shall also be required to pass the graduation in six years or post-graduation in four years.
8. Admission shall be granted till the seats remain vacant. The college will not be bound to grant admission till the scheduled last date for admission. The last date for admission in the first year at graduation will be declared by the college.
9. Admission in desired subjects in first year of B.A. will be subject to availability of seats in the subjects. If any applicant is included in the merit list for admission and the seats are not vacant in the desired subjects, the applicant will have to select other subjects in which seats are lying vacant.
10. After recommendation of Admission Committee, change in subject will not be permitted.
11. The candidate shall lose the right of admission if he/she does not turn up for counselling/interview on scheduled date / time or he/she fails to deposit fee on scheduled date.In that case, other candidates in the merit / waiting list may be granted admission on the merit

basis.

12. The College shall have the right to deny admission or cancel the admission granted to an applicant without assigning any reason thereof.
13. Admission shall not be granted to the applicant who has been found using or attempting unfair means or misbehaving in any examination.
14. Applicant who has been a history-sheeter in police' records or has been convicted by a Court of Law for a crime committed by him/her or is an accused for committing a criminal offense shall not be granted admission.
15. Applicant who has been found guilty of indulging in acts of violence, misbehaviour with college staff or ragging shall not be granted admission. After admission, if a student is found guilty for aforesaid acts, his/her admission shall be cancelled.
16. Admission shall be granted only on the basis of the rules of College/ Sri Dev Suman Uttarakhand University, New Tehri. If any admission is found against such rules, the college/university shall cancel that admission.
17. A student seeking admission in next semester of the same programme shall be granted admission on the basis of acquired credit in earlier semester(s) as per rules of the university.
18. No transfer in the mid of session or in any semester subsequent after completing any semester(s) from any other college shall be allowed without prior permission of the university.
19. If any information given in the application for admission is found incomplete / false / misleading, student' admission shall be treated as cancelled.
20. If the central/state government, the university or the college amends any admission' rule, it will be followed accordingly.
21. For more information regarding the minimum qualification required for admission in any year/semester of B.A. / B.Com. / B.Sc. / M.A. / M.Com. Admission Co-ordinator or the college office should be contacted.
22. A student admitted to a course/programme of the college is not permitted to get admission to any other educational institution or course / programme or to appear for any examination for the award of a Degree / Diploma / Certificate.If a student violates this rule and appears in the examination, his / her admission shall be cancelled. This rule also applies to registered research scholars pursuing for Ph.D.This means that no student shall be permitted to study and be examined for two Degrees /Diplomas / Certificates during a single academic session with the exceptions of "Add On Courses"recognized as such by the University and courses offered in the distance mode of learning by recognized Universities pending the completion of the course / programme or the conclusion of the academic session concerned.
23. It is required to submit Transfer Certificate at the time of admission in the college. Students who have passed qualifying examination from any other university/board must submit a migration certificate at the time of submission of examination form online; otherwise, the provisional admission given to that student shall be treated as cancelled.

चित्रों के झरोखें से

किसी अनजानी व अनदेखी वस्तु को न छुयें। अगर गलती से छू जाये तो तुरन्त हाथ सेनेटाईज करें।

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

Internal Quality Assurance Cell (IQAC),
S.M.J.N.(P.G.College), Haridwar
In Collaboration with

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

Internal Quality
Assurance Cell (IQAC)
S.M.J.N. (PG) College
Haridwar (U.K.)

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर
एस एन जे एन पी जी कॉलेज, हरिद्वार

बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिवि
एस एन जे एन पी जी कॉलेज, हरिद्वार

चित्रों के झरोखें से

Internal Quality
Assurance Cell (IQAC)
S.M.J.N. (PG) College
Haridwar (U.K.)
Welcomes

अविरल
आओ मिलकर सही
प्लास्टिक अपशिष्ट
प्रबंधन अपनाएं
गंगा माँ को बचाएं

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

SAVE NATURE
SAVE EARTH
SAVE WATER
SAVE
COKE
Say NO To Plast
STOP BAGGING THE PLANET
NO TO PL
BAGS
USE ME
COLA
SAVE ENVIRO -ENT
Save the Earth

चित्रों के झरोखें से

SAY NO
TO
PLASTIC
DON'T
USE
PLASTIC
STOP PLASTIC
SAVE
ENVIRONMENT

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

शौर्य दीवार
परमवीर चक्र

TECHNIQUES OF WATER
TO RIVER REVIVAL
Cell (IQAC),

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

चित्रों के झरोखें से

आवेदन पत्र विषयक निर्देश

आवेदन पत्र जमा करते समय अभ्यर्थी/अभ्यर्थिनी निम्नांकित बातों का पालन सुनिश्चित करें–

1. प्रवेशार्थी प्रवेश हेतु निर्धारित ऑन लाइन आवेदन प्रपत्र का ही प्रयोग करें।
2. प्रपत्रों की समस्त प्रविष्टियाँ स्पष्ट रूप से अंकित करें तथा प्रमाण स्वरूप सभी आवश्यक परीक्षाओं की अंक तालिकाओं की सत्यापित प्रतिलिपि, चरित्र प्रमाण पत्र व स्थानांतरण प्रमाण पत्र की मूल प्रतियाँ व आरक्षण तथा अधिभार के लाभ हेतु प्रमाण पत्रों की स्वयं (Salf Attested) सत्यापित प्रतिलिपियाँ अवश्य अपलोड करें। व्यक्तिगत परीक्षार्थी किसी राजपत्रित अधिकारी/ लोकसभा/ विधानसभा/ विधान परिषद के सदस्य अथवा किसी महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र संलग्न करें।
3. **समस्त प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपियाँ/फोटोस्टेट/इलैक्ट्रोस्टेट कॉपी संबंधित संस्था के प्राचार्य अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए। अभ्यर्थी स्वप्रमाणित प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत कर सकते हैं यदि किसी अभ्यर्थी का प्रमाण पत्र, अंक तालिका/जाति प्रमाण पत्र आदि जाँच में फर्जी पाया जाता है तो अभ्यर्थी का प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा साथ ही ऐसा व्यक्ति भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के अंतर्गत सजा का भागी होगा।**
4. किसी सरकारी/अर्द्धसरकारी संस्थान में कार्यरत होने पर आवेदन पत्र उपयुक्त माध्यम द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित होना चाहिए।
5. **प्रवेश हेतु योग्यता सूची, तिथि आदि की सूचना कॉलेज सूचना पट्ट एवं कॉलेज बेव साईट (www.smjn.org) पर देखें।**
6. प्रवेश के समय प्रवेश समिति के समक्ष मूल प्रमाण पत्रों सहित स्वयं उपस्थित हों ताकि उसके छायाचित्र एवं प्रमाणपत्रों का सत्यापन किया जा सकें। प्रवेश समिति की संस्तुति व प्राचार्य से प्रवेश की अनुमति मिलने पर कॉलेज कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करके शुल्क जमा कराने हेतु निर्धारित प्रपत्र प्राप्त करें तथा निर्धारित बैंक में निर्धारित तिथि पर निश्चित समय में शुल्क जमा करें।
7. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग के प्रवेशार्थियों के लिए आवश्यक है कि वांछित प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से उनके मूल निवास स्थान या वर्तमान निवास स्थान के शासकीय प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रदत्त हो। इस संदर्भ में अन्य कोई प्रमाण–पत्र कॉलेज द्वारा मान्य नहीं होगा। उपयुक्त/वांछित प्रमाण पत्र के अभाव में छात्र की सामान्य श्रेणी ही मानी जाएगी।
8. विकलांग प्रवेशार्थियों को जिला मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त मूल चिकित्सा प्रमाण पत्र तथा उसकी एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
9. किसी भी प्रकार का आरक्षण लाभ या अधिभार (एन॰सी॰सी॰, स्काउटिंग, खेलकूद, एन॰एस॰एस॰, वि॰वि॰ कर्मचारियों के वार्ड आदि संबंधी) चाहने पर प्रवेशार्थी आवदेन पत्र में निर्धारित स्थान पर सही का चिह्न (√) अवश्य लगाएँ तथा इसके लिए सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि अवश्य अपलोड करें अन्यथा उन्हें उक्त लाभ/अधिभार नहीं मिल सकेगा।

आवश्यक निर्देश–

- **प्रवेश फार्म भरते समय प्रवेशार्थी परिचय पत्र हेतु पासपोर्ट साइज फोटो सफेद कमीज एवं ब्लैक टाई में खींचकर अपलोड करें।**
- **शुल्क जमा होने के पश्चात् ही सम्बन्धित कक्षा में प्रवेश अन्तिम एवं मान्य होगा**
- **शुल्क जमा कराने के बाद वे रसीद दिखाकर अपना परिचय पत्र प्रवेश के समय कार्यालय से प्राप्त करें।**
- **प्रवेशार्थियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे अपना परिचय पत्र दिखाकर पुस्तकालय रीडर्स टिकट प्रवेश के समय ही प्राप्त कर लें।**
- **आवश्यक प्रमाण पत्रों के अभाव में या किसी अन्य प्रकार से अपूर्ण अपलोडेड आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।**

विशेष–

- आवेदन पत्र के अधूरे पाए जाने पर आवेदन पत्र निरस्त किया जायेगा और प्रवेशार्थी को प्रवेश अधिकार से वंचित किया जायेगा ।
- आरंभ में महाविद्यालय द्वारा समस्त प्रवेश अस्थाई तौर पर किए जाएंगे जिन्हें बाद में विश्वविद्यालय द्वारा जांच के पश्चात् ही स्थाई किया जा सकेगा।
- महाविद्यालय परिसर में निर्धारित यूनीफार्म (पोशाक) में ही छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जायेगा–

कॉलेज यूनीफार्म

1. छात्राओं के लिए सफेद कुर्ता, सफेद सलवार तथा नीला राजस्थानी दुपट्टा अथवा सफेद शर्ट तथा काली पेंट एवं ब्लैक कलर की टाई
2. छात्रों के लिए सफेद शर्ट तथा काली पैंट, टाई (ब्लैक कलर) वैकल्पिक
3. सर्दियों में इस पोशाक पर डार्क ग्रे रंग का स्वेटर, कार्डिगन या ब्लेजर पहना जा सकता है।
4. नवविवाहित छात्राएं गुलाबी रंग का सूट सलवार पहन सकती हैं।

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

1. प्रवेश में आरक्षण एवं अधिभार शासन/वि0वि0 द्वारा जारी प्रावधानों के अन्तर्गत दिया जायेगा।
2. स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश की अंतिम तिथि 09.08.2022 की होगी।
3. स्नातक द्वितीय, पंचम तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर कक्षाओं में प्रवेश की वि.वि. द्वारा अंक तालिका निर्गत होने की तिथि से 20 दिनों के अंतर्गत मान्य होगी।
4. प्रवेश विवरणिका दिनांक 27.06.2022 से दिनांक 10.07.2022 तक स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाईन कॉलेज वेबसाईट पर उपलब्ध होगी तथा पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्रों को कॉलेज वेबसाईट पर जमा करने की अन्तिम तिथि 10.07.2022 होगी।
5. मैरिट सूची का प्रकाशन दिनांक 20.07.2022 को कॉलेज नोटिस बोर्ड एवं कालेज वेबसाइट पर सायं 4 बजे तक कर दिया जायेगा। मैरिट सूची में आने वाले प्रवेशार्थी उनकी निर्धारित तिथि को प्रवेश समिति के समक्ष समस्त शैक्षिक मूल प्रमाणपत्रों सहित उपस्थित होगें।
6. छात्रों को मेरिट के आधार पर ही प्रवेश दिए जायेंगे।
7. यद्यपि कॉलेज विवरणिका के प्रकाशन में यथासम्भव हर सावधानी का प्रयोग किया गया है फिर भी यदि कोई विसंगति/त्रुटि रह जाती है तो उसका समाधान कॉलेज कार्यालय से संपर्क करके किया जा सकता है।
8. आरक्षण का लाभ चाहने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित सर्टिफिकेट अनिवार्यत: आवेदन पत्र के साथ ही संलग्न करने होंगे। एक बार आवेदन पत्र जमा होने के बाद ऐसे प्रकरणों पर विचार करना संभव नहीं होगा क्योंकि प्रवेश हेतु साक्षात्कार से पूर्व योग्यता-सूची का आकलन कर लिया गया होगा।
9. अभ्यर्थियों को शुल्क जमा करने की जो तिथि महाविद्यालय द्वारा दी जाती है, अभ्यर्थी अनिवार्यत: उस तिथि पर शुल्क जमा करा दें।
10. सभी कक्षाओं का शुल्क विवरण सूचना पट्ट एवं कॉलेज की वेवसाइट **www.smjn.org** पर देखा जा सकता है।
11. महाविद्यालय प्रवेश सूचनाएँ सूचना पट्ट तथा कॉलेज की वेबसाइट **www.smjn.org** पर भी समय-समय पर देखी जा सकती है।
12. अपरिहार्य कारणों से प्रवेश तिथियों में परिवर्तन किया जा सकता है। इसके लिये महाविद्यालय का नोटिस बोर्ड देखते रहें।

शुल्क विवरण

शुल्क शासन/विश्वविद्यालय शुल्क निर्धारण समिति के नियमानुसार देय होगा। छात्र/छात्रा द्वारा जमा की गई प्रतिभूति धनराशि उसके उत्तीर्ण होने के एक वर्ष तक ही सुरक्षित रखी जाएगी। तदुपरांत यह निरस्त समझी जाएगी।

शासन/विश्वविद्यालय से यदि शुल्क संबंधी संशोधन की सूचना मिलती है तो उसका परिपालन तदनुसार किया जाएगा। यदि सत्र में प्रवेश के उपरांत शासन द्वारा शुल्क वृद्धि के निर्देश प्राप्त होते हैं तो भी विद्यार्थी द्वारा बढ़ा हुआ शुल्क देय होगा। शासनादेश सं॰ 50/उच्च शिक्षा/2003 के अनुरूप महाविद्यालय स्तर पर अनुदानित कक्षाओं में प्रवेश हेतु बालिकाओं को शिक्षण शुल्क से मुक्ति प्रदान किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है।

पहचान पत्र एवं चरित्र प्रमाण पत्र

महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त प्रत्येक छात्र को नियन्ता कार्यालय द्वारा एक पहचान पत्र जारी किया जायेगा। किसी छात्र को जारी पहचान पत्र को ही उसके विश्वविद्यालय का छात्र होने का एकमात्र प्रमाण माना जायेगा। नियन्ता मण्डल के किसी सदस्य के मांगने पर प्रत्येक छात्र को अपना पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मांगे जाने पर पहचान पत्र प्रस्तुत करने में किसी छात्र के असमर्थ रहने की स्थिति में उसे अनाधिकृत प्रवेशकर्ता माना जायेगा एवं उसके विरुद्ध विश्वविद्यालय के नियमों के अधीन कार्यवाही की जायेगी। पहचान पत्र खो जाने की सूचना नियन्ता कार्यालय को देना होगा तथा नियन्ता कार्यालय से इस आशय का आवेदन प्रवेश शुल्क की रसीद की छायाप्रति संलग्न करते हुए तथा निर्धारित शुल्क जमा करवाकर डुप्लीकेट पहचान पत्र कार्यालय से प्राप्त करना होगा।

महिलाओं के सम्मान की रक्षा हेतु विशेष प्रावधान

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं तदोपरान्त जारी शासन व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के अनुपालन में महाविद्यालय में महिलाओं के विरुद्ध उत्पीड़न की रोकथाम हेतु एक प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। यह प्रकोष्ठ जिसमें प्रमुख रुप से महिला सदस्य सम्मिलित हैं परिसर में महिलाओं के सम्माान की अवहेलना की सूचना का संज्ञान लेता है। प्रकोष्ठ महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष व्याख्यान भी आयोजित करता है। यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय द्वारा महिला छात्रों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का पर्यवेक्षण भी करता है।

कॉलेज पत्रिका

योग्य मार्गदर्शन एवं समुचित नेतृत्व के अभाव में छात्र-छात्राओं की प्रतिभा एवं कार्यशक्ति उच्च स्तरीय अध्ययन और जीवनगत पूर्णता के क्रमश: विकास की सृजनात्मक प्रवृत्ति से हटाकर आए दिन विध्वंसात्मक एवं अवांछनीय दिशाओं की ओर उन्मुख कर दी जाती है किंतु यदि उन्हें उच्चाकांक्षापूर्ण जीवन की समुचित प्रेरणा, सही दिशा एवं तदनुरूप शिक्षा प्रदान की जाए तो ज्ञान साधना के क्षेत्र में युवा शक्ति की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों को प्रकाश में लाने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र के भावी निर्माण के महत्त्वपूर्ण घटक के रूप में नियोजित किया जा सकता है। कॉलेज पत्रिका का प्रकाशन उक्त दिशा में किया जाने वाला एक स्तुत्य प्रयास है। इससे कॉलेज की उपलब्धियों और भावी कार्य योजनाओं की संभव जानकारी तो मिलती ही है इसके अतिरिक्त महाविद्यालय परिवेश में साहित्यिक अभिरूचि में सम्यक् विकास, सुप्त प्रतिभाओं के जागरण व प्रोत्साहन के साथ साहित्यिक चेतना का भी निर्माण संभव होता है। कॉलेज पत्रिका 'अभिव्यक्ति' का वार्षिक प्रकाशन इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया जाता है। वस्तुत: कॉलेज पत्रिका 'अभिव्यक्ति' छात्रों की रचना की एक प्रयोगशाला भी है। संस्था में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी इससे लाभान्वित होकर अपनी रचनात्मक क्षमता व सृजन शक्ति को विकसित कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएँ पत्रिका के प्रधान सम्पादक के सम्पर्क में रहें।

अनुशासन-समिति

अनुशासन चरित्र निर्माण का अनुषांगिक तत्व है। छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए कॉलेज में उन्हें अनुशासित रखने के दायित्व का सम्यक् निर्वाह अनुशासन समिति करती है। छात्र-छात्राओं के सहयोग से कॉलेज में शांति और सुव्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। इसके अंतर्गत चीफ प्रीफैक्ट, डिप्टी चीफ प्रीफैक्ट तथा प्रीफैक्ट के दायित्वो को छात्र-छात्राएँ संभालते हैं तथा वे स्वयं अनुशासित रहकर कॉलेज में अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने में अपना सक्रिय सहयोग देते हैं। अनुशासन व्यवस्था की दृष्टि से सभी विद्यार्थियों को कॉलेज प्रशासन की ओर से परिचय पत्र जारी किए जाएंगे। अधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर छात्र-छात्रा को परिचय पत्र दिखाना पड़ेगा। दिखाएगा। इस समिति में कार्य करने के इच्छुक छात्र-छात्रा मुख्य अनुशासन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

शोध

विश्वविद्यालय में शोध उपाधि पी॰एच–डी॰ हेतु अपेक्षित अर्हताएँ अग्रलिखित हैं– (1) शोध कार्य सर्वथा मौलिक हो, (2) नवीन तथ्यों की खोज की गई हो, (3) अज्ञात अथवा अल्प ज्ञात तथ्यों का उद्घाटन और उसके महत्व का दिग्दर्शन, (4)तथ्यों या सिद्धान्तों की नवीन व्याख्या, (5) अनुसंधाता की विवेचनानात्मक प्रतिभा तथा निर्णय–क्षमता भी उसके शोध कार्य में व्यक्त हो और उसका प्रतिपादन प्रभावशाली व शोध–प्रबंध की गरिमा के अनुरूप हो ताकि उसे यथावत् प्रकाशित किया जा सके। शोध–कार्य करने में इच्छुक छात्र/छात्राओं को हे.न.ब. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय की प्री–पी.एच.–डी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। इसके पश्चात् प्री.पी.एच.डी. (शोध पूर्व पाठ्यक्रम) पूरा करने के पश्चात् वे विश्विद्यालय द्वारा अनुमोदित शोध निर्देशक के निर्देशन में अपना शोध सम्पन्न कर सकेंगे। शोध कार्य पूर्ण कालिक होगा और शोधार्थी को विभागीय शिक्षण कार्यों में सहयोग भी अपेक्षित है।

शोध–समिति की बैठक में विषय के पंजीकृत होने पर उसकी सूचना शोध छात्र/छात्रा के पास विश्वविद्यालय द्वारा भेजी जाती है। सामान्यत: पंजीकरण की तिथि के उपरांत चार वर्ष की अवधि में शोध छात्र को अपना प्रबंध पूर्ण करना होगा। अनुसंधान कार्य की प्रगति के संबंध में भी शोध छात्र को अपनी आख्या निर्देशक महोदय के माध्यम से प्रत्येक छह माह पश्चात् प्रेषित करनी होगी, अन्यथा उसका पंजीकरण विश्वविद्यालय द्वारा रद्द कर दिया जाएगा। आवश्यक उपस्थिति पूरी करने के पश्चात् ही शोध छात्र/छात्रा अपना शोध प्रबंध (निर्धारित प्रतियों में) परीक्षणार्थ विश्वविद्यालय में जमा करा सकेगा/सकेंगे। शोध प्रबंध को जमा कराने की अवधि चार वर्ष है जिसे विशेष परिस्थितियों में कुलपति के अनुमोदन पर एक वर्ष हेतु बढ़ाया जा सकता है। शोध के लिए इच्छुक छात्र–छात्राएँ विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित विषय के शोध निर्देशकों से संपर्क करें।

शोध कार्य में पंजीकरण हेतु हे.न.ब. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय तथा श्री देवसुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय बादशाही थौल टिहरी द्वारा निर्गत नियमों को लागू किया जायेगा।

शोध केन्द्रों एवं शोध निर्देशकों की सूची

1. **वाणिज्य संकाय – डॉ॰ सुनील कुमार बत्रा, डॉ॰ मनमोहन गुप्ता, डॉ॰ तेजवीर सिंह तोमर।**
2. **अंग्रेजी – डॉ॰ (श्रीमती) नलिनी जैन**
3. **समाजशास्त्र – डॉ॰ जगदीश चन्द्र आर्य, डॉ0 सुषमा नयाल**

खेलकूद

महाविद्यालय में एथेलेटेक्सि, योग, बैडमिंटन, वॉलीबाल, क्रिकेट, शतरंज, कैरम आदि खेलों की व्यवस्था है एवं प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय स्तर पर अनेक खेलों में भाग लेने के लिए महाविद्यालय की टीम भेजी जाती है। महाविद्यालय से प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है जिससे कि विद्यार्थी अपनी शारीरिक क्षमता व खेलकूद संबंधी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। विभिन्न प्रकार के खेलकूदों में नियमित रूप से भाग लेने के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को खेलकूद अधीक्षक से निरंतर संपर्क रखना चाहिए। उच्च कक्षाओं में प्रवेश तथा नियुक्तियों में खेलकूद प्रमाण पत्र धारकों को नियमानुसार वरीयता/अधिमान प्रदान किए जाते हैं।

पुस्तकालय

छात्र समुचित ज्ञानार्जन कर सके इसके लिए कॉलेज में समृद्ध पुस्तकालय की सुंदर व्यवस्था है जिसमें सभी विषयों की पर्याप्त संख्या में पुस्तकें हैं। सभी नियमित छात्र पुस्तकें प्राप्त करने के अधिकारी होंगे। पुस्तकें प्राप्त करने के लिए छात्रों को 'रीडर्स टिकिट' पुस्तकालय से लेने होंगे। पुस्तकालय में प्रवेश के लिए परिचय पत्र दिखाना आवश्यक होगा।

परीक्षा प्रारंभ होने के 10 दिन पूर्व तक पुस्तकालय की सभी पुस्तकें आवश्यक रूप से लौटानी होंगी। पुस्तकें न लौटा पाने की स्थिति में छात्रों का परीक्षा प्रवेश पत्र रोक दिया जाएगा।

आवश्यक निर्देश

- ★ प्रवेश आवेदन पत्र अहस्तांरणीय तथा ऑनलाइन भरा है। स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 10.07.2022 है।
- ★ प्रत्येक संकाय/विषय हेतु पृथक्-पृथक् आवेदन पत्र भरना आवश्यक हैं।
- ★ प्रवेश प्रक्रिया मेरिट के आधार पर पूर्ण की जायेगी।
- ★ प्रवेश समिति की संस्तुति प्रवेश हेतु अपरिहार्य है।
- ★ प्रवेश संस्तुति होने के उपरांत अविलम्ब शुल्क जमा कराना अनिवार्य है। निर्धारित तिथि को शुल्क जमा न होने की स्थिति में प्रवेश स्वत: निरस्त माना जायेगा।
- ★ महाविद्यालय परिसर में प्रत्येक विद्यार्थी को नियंता द्वारा प्रमाणित सत्र 2022-23 का परिचय पत्र लाना अनिवार्य होगा।
- ★ महाविद्यालय परिसर में प्रत्येक कार्य दिवस में प्रात: 7 बजे से पूर्व तथा सायं 4 बजे के पश्चात् प्रवेश वर्जित है।
- ★ छात्र-छात्राएं महाविद्यालय के मुख्य गेट के सामने व आस-पास वाहन खड़ा न करें। वाहन पार्किंग हेतु निर्धारित स्थान का ही प्रयोग करें।
- ★ महाविद्यालय देवी सरस्वती का प्रांगण है। अत: इसकी स्वच्छता बनाये रखना सभी का नैतिक कर्त्तव्य हे। धूम्रपान, पान एवं गुटखा आदि का सेवन कॉलेज प्रांगण में करना वर्जित है।
- ★ पोस्टर व बैनर का प्रयोग महाविद्यालय की चारदीवारी व प्रांगण में पूर्णतया वर्जित है।
- ★ महाविद्यालय परिसर में शैक्षिक गुणवत्ता बनाने एवं महाविद्यालय परिसर में बाहरी आवंछित तत्त्वों पर प्रभावी रोकथाम हेतु सी.सी. टीवी कैमरों के द्वारा सतत् निगरानी रखी जाती है।

महाविद्यालय कैम्पस वाई–फाई (Wi-Fi) सुविधा से आच्छादित है।

प्रवेश हेतु साक्षात्कार समितियां

बी.ए. एवं बी.कॉम. तथा बी.एस-सी. में सत्र 2022-23 में प्रवेश हेतु साक्षात्कार समितियों का निम्नवत् गठन किया गया हैं।

बी.ए.प्रथम वर्ष/सेमेस्टर	डॉ. संजय माहेश्वरी	संयोजक	**साक्षात्कार परीक्षा कक्ष में**
	डॉ. जे.सी.आर्य	सदस्य	
बी.ए. द्वितीय वर्ष	डॉ. नलिनी जैन	संयोजक	
	डॉ. सुषमा नयाल	सदस्य	
बी.ए. पंचम सेमेस्टर	डॉ. नलिनी जैन	संयोजक	
	श्री विनय थपलियाल	सदस्य	
बी.कॉम.प्रथम वर्ष/सेमेस्टर	डॉ. मनमोहन गुप्ता	संयोजक	**साक्षात्कार वाणिज्य कक्ष में**
बी.कॉम.द्वितीय वर्ष	डॉ. टी.एस. तोमर	संयोजक	**साक्षात्कार एन.सी.सी. कक्ष में**
बी.कॉम. पंचम सेमेस्टर	डॉ. टी.एस. तोमर	संयोजक	**साक्षात्कार एन.सी.सी. कक्ष में**
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष/सेमेस्टर	श्री विनीत सक्सैना	संयोजक	**साक्षात्कार विज्ञान भवन में**
	डॉ. विजय शर्मा	सदस्य	
बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष/पंचम सेमेस्टर	**साक्षात्कार कमेटी बाद में घोषित की जायेगी।**		
एम.कॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर	डॉ. मनमोहन गुप्ता	संयोजक	**साक्षात्कार वाणिज्य कक्ष में**

एम.ए. सेमेस्टर प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश हेत साक्षात्कार तथा प्रवेश हेतु संस्तुति सभी संबंधित विषयों के विभागाध्यक्षों द्वारा पृथक रूप से की जायेंगी।

नोट- वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय हेतु गठित प्रवेश समितियां अपना कार्य प्रात: 9 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक तथा कला संकाय हेतु गठित प्रवेश समिति अपना कार्य प्रात: 9.30 बजे से अपरान्ह 2 बजे के मध्य सम्पन्न करेंगी।

डॉ. सुनील कुमार बत्रा
प्राचार्य

डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी
मुख्य प्रवेश समन्वयक, 2022-23

प्रवेश विवरणिका आवेदन शुल्क ₹ 200/-

Web.www.smjn.org

कॉलेज प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों की सूची

सत्र–2022–23

क्र०सं०	पदाधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्री महन्त रविन्द्र पुरी जी	अध्यक्ष कॉलेज प्रबन्ध समिति
2.	श्री महंत राम रत्न गिरी जी	सचिव,पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी
3.	श्री महन्त राधे गिरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
4.	श्री महन्त ओमकार गिरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
6.	श्री महन्त केशवपुरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
7.	श्री महन्त शिव वन जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
8.	श्री महंत नरेश गिरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
9.	महन्त श्री रामानन्द पुरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
10.	श्री दिगम्बर गंगा गिरी जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
11.	श्री प्रेमप्रकाश भल्ला जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
12.	श्री आर०के० शर्मा जी	सदस्य, कॉलेज प्रबन्ध समिति
13.	डॉ० सुनील कुमार बत्रा	प्राचार्य/पदेन सदस्य
14.	डॉ0 संजय माहेश्वरी	सदस्य, शिक्षक प्रतिनिधि
15.	डॉ0 जे0सी0 आर्य	सदस्य, शिक्षक प्रतिनिधि
16.	डॉ0 नलिनी जैन	सदस्य, शिक्षक प्रतिनिधि
17.	श्री संजीत कुमार	सदस्य, शिक्षणेत्तर कर्मचारी प्रतिनिधि

रेगिंग के संबंध में प्रावधान

विश्वविद्यालय ने रेगिंग की समस्या के नियंत्रण हेतु यू.जी.सी. के नियम अपने परिसर में तथा समस्त महाविद्यालयों में रेगिंग की प्रभावशाली रोकथाम हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों मार्च 2009 तथा माननीय उच्चतम न्यायालय के पत्र सं. 310/04/एस. आई.ए. दिनांक 26 फरवरी, तथा 17 मार्च, 2009 को दृष्टिगत रखते हुए निम्नलिखित प्रावधान किये हैं–

1. रेगिंग से सम्बन्धित अभिप्राय है :

Any disorderly conduct whether by words spoken or by an act which has the effect of teasing, treating or handling with rudeness any other student, indulging is rowdy or undisciplined activities which causes or is likely to cause embarrassment, annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in a fresher or a junior student or asking the students to do any act or perform something which such students will not in the ordinary course do or perform and which has the effect of casing or generating a sense of shame or so as to adversely affect the physique or psyche or a junior student. Any of the above acts committed by any student of the same or junior or senior class shall be deemed to be ragging

रेगिंग के दोषी पाये गये व्यक्तियों को दण्ड

संस्था की रेगिंग निरोधक समिति के अभिमत में अपराध की स्थापित प्रकृति एवं गंभीरता के आधार पर संस्थागत स्तर पर रेगिंग के दोषी पाये गये व्यक्तियों को दिये गये दण्ड निम्न में से कोई एक अथवा उसका समूह हो सकता है–

- ★ प्रवेश निरस्त किया जाना ★कक्षा से निलम्बन ★ छात्रवृत्ति तथा अन्य लाभ रोके रखना अथवा निरस्त करना
- ★ किसी भी परीक्षा अथवा मूल्यांकन प्रक्रिया से वंचित करना ★परीक्षा परिणाम रोकना
- ★ किसी भी क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्था अथवा युवा महोत्सव संस्था का प्रतिनिधित्व करने से रोकना।
- ★ छात्रावास से निष्कासन ★निरस्तीकरण ★संस्था से एक से चार सेमेस्टर अवधि हेतु निष्कासन
- ★ संस्थान से निष्कासन एवं तदोपरान्त अन्य किसी संस्था में प्रवेश से वंचित किया जाना
- ★ $25 हजार का जुर्माना ★जब रेगिंग का अपराध करने वाले व्यक्तियों को न पहचाना जाय तब सम्भावित रेगिंगकर्ताओं पर सामुदायिक दबाब बनाने हेतु संस्था सामूहिक दण्ड का प्रयोग करेगी।

समाचार पत्रों की सुर्खियां

अमर उजाला my city हरिद्वार-रुड़की

'वेस्ट सामग्री को बनाएं आर्थिकी का आधार'

एसएमजेएन कॉलेज में 'प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन' विषय पर सेमिनार

संवाद न्यूज एजेंसी

एसएमजेएन कॉलेज में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित शिक्षक। -अमर उजाला

यज्ञकुंड के स्थापना दिवस पर किया यज्ञ

अमर उजाला my city हरिद्वार-रुड़की

मंगल पांडेय ने ईस्ट इंडिया के खिलाफ फूंका था बिगुल

एसएमजेएन कॉलेज में चल रहे आजादी के अमृत महोत्सव में विद्यार्थियों को दी गई जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

एसएमजेएन कॉलेज में आयोजित बैठक में मौजूद शिक्षक। -अमर उजाला

'महिलाओं ने जगाई बदलाव की अलख'

एसएमजेएन कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर समारोह में महिलाओं...

इमैक के मंच पर दिखी लोक संस्कृ...

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम आयोजित

'भारतीय मनीषियों को जाता है गणित के नए शोध का श्रेय'

एसएमजेएन कॉलेज में 'प्रकृति में गणित' पर व्याख्यान

संवाद न्यूज एजेंसी

एसएमजेएन कालेज में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित अतिथि। -अमर उजाला

प्रकृति के श्रृंगार का लोक पर्व है फूलदेई: रविन्द्र पुरी

छात्र-छात्राओ प्राचार्य को फूल देकर मनाया फूल देई

हरिद्वार (बड़ी विशाल)। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में आज फूलदेई पर्व धूमधाम से मनाया गया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री महन्त रविन्द्र पुरी ने अपने संदेश में कॉलेज के समस्त छात्र-छात्राओं व शिक्षिकाओं को फूलदेई पर्व की शुभकामना प्रेषित की। श्रीमहन्त रविन्द्र पुरी ने कहा कि फूलदेई प्रकृति के श्रृंगार का लोक पर्व है। उन्होंने कहा कि यह त्यौहार उत्तराखण्ड की संस्कृति एवं

से मनाया जाता है, किसी भी समाज के विकास के लिए वहां के रीति-रिवाज और लोकपर्वों का विशेष योगदान होता है। डॉ. बत्रा ... प्रकार यह त्यौहार भी हमारे छात्र-छात्राओं को रचनात्मक प्रेरणा दें। इस अवसर पर कॉलेज के छात्र ... इलनक, अक्षत, मणिका शर्मा,

रुड़की हरिद्वार

एनएसएस ने योग जागरूकता रैली निकाली

समाचार पत्रों की सुर्खियां

| आयोजन | हिमालय क्लब का एसएमजेएन कालेज में हुआ कार्यक्रम, गौरैया संरक्षण की अलख जगा रहे अक्षत को किया गया सम्मानित

गौरैया संरक्षण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण: रविंद्र पुरी

हरिद्वार, संवाददाता। एसएमजेएन पीजी कालेज के बी काम द्वितीय वर्ष के छात्र अक्षत त्रिवेदी ने गौरैया संरक्षण के लिए अलख जगायी है। वह पिछले एक वर्ष से गौरैया के लिए घोंसले बना कर विभिन्न स्थानों पर लगा रहे हैं।

इसी कड़ी में शनिवार को विश्व गौरैया दिवस के पूर्व दिवस पर अखाड़ा परिषद और कालेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी, हिमालय क्लब के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार बत्रा, पर्यावरण विद डॉ विजय शर्मा और विनीत सक्सेना ने अक्षत त्रिवेदी को सम्मानित किया।

शनिवार को हिमालय क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम में श्री महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि गौरैया विलुप्त होने की कगार पर है। शहरीकरण एवं पेड़ों के कटने से घरों के आंगन में फुदकने और चहकने वाली गौरैया अब देखने को नहीं मिल रही है। ऐसी स्थिति में गौरैया-संरक्षण के लिए अक्षत की कोशिश मिसाल कायम करेगी। हिमालय ...

एक पक्षी नहीं वह हमारे साहित्य, कला व संस्कार में रची बसी है। आज इसकी संख्या समाप्त हो रही है। जो समाज और पर्यावरण के लिए घातक है। पर्यावरण विद डॉ विजय शर्मा ने बताया कि गौरैया की विलुप्तता का मुख्य कारण कीट नाशकों का उपयोग, अंधाधुंध शहरीकरण, पक्षियों के प्रति संवेदनहीनता ... गई है।

हरिद्वार स्थित एसएमजेएन पीजी कॉलेज में शनिवार को अक्षत त्रिवेदी को सम्मानित ... श्रीमहंत रविंद्र पुरी। • हिन्दुस्तान

जल जीवन का आधार स्तंभ : डॉ संदीप

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा ... देहरादून और कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में जल संरक्षण ... दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का बृहस्पतिवार को समापन हो ...

उच्च शिक्षा ... शर्मा ने ... जीवन ... अपना ...

भविष्य सुनहरा बनाना है तो जल संरक्षण अपनाना ... विपिन यादव ने कहा कि आप केवल पर्यावरण ... संस्थान से रुचि गोदियाल ने प्र...

विधिक जागरूकता कानूनों के अनुपालन में सहयोगी : सिंह

एसएमजेएन कॉलेज में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नि:शुल्क विधिक सहायता के समुचित प्रचार-प्रसार के लिए विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने अध्यक्षता की। ... अमन कुमार सिंह और डॉ. सुनील कुमार बत्रा ... ने मां सरस्वती ... कर कार्यक्रम का ...

... कि विधिक साक्षरता एवं ... के लिए आवश्यक ...

डीपीएस में बच्चों को पढ़ाया यातायात के नियमों का पाठ

बहादराबाद। ...

एसएमजेएन कॉलेज के छात्रों ने पीएम मोदी से सीखे परीक्षा के तनाव से निपटने के टिप्स

हरिद्वार (दैनिक हक)। एसएमजेएन कॉलेज में शुक्रवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छात्र छात्राओं को परीक्षा के तनाव से बचने के लिए आयोजित लाईव कार्यक्रम का कालेज के सभागार में बड़ी स्क्रीन पर प्रसारण किया गया। ...

कार्यक्रम में भाग लेते महाविद्यालय ...

छात्रों ने परीक्षा के तनाव से निपटने के सीखे टिप्स

हरिद्वार/ ...

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम

समाचार पत्रों की सुर्खियां

हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल बनी, देश की आजादी में मील का पत्थर साबित हुई

मंगल पांडे ने जलायी थी स्वतंत्रता संग्राम की अलख

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर एसएमजेएन कॉलेज में आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

व्यक्ति नहीं सभ्यता का विनाशक है तंबाकू सेवनः रविंद्र पुरी

1500 मीटर दौड़ में तनीषा और जौनी ने मारी बाजी

एसएमजेएन पीजी कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का पांचवां दिन

संवाद न्यूज एजेंसी

हरिद्वार। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के पांचवें दिन 1500 मीटर दौड़ (छात्र वर्ग) बीएससी प्रथम के जौनी कश्यप ने प्रथम स्थान, बीकॉम षष्टम सेमेस्टर के सुदामा पोखरियाल ने द्वितीय और बीएससी प्रथम राहुल सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

200 मीटर दौड़ (छात्र वर्ग) प्रतियोगिता में बीकॉम षष्टम सेमेस्टर के सुदामा पोखरियाल ने प्रथम स्थान, बीकॉम प्रथम के देवांश जोशी द्वितीय और बीए प्रथम मनीष कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाला फेंक (छात्र वर्ग) प्रतियोगिता में बीएससी षष्टम सेमेस्टर के मिथुन सिंह ने प्रथम स्थान, बीकॉम प्रथम के सार्थक नेगी ने द्वितीय व बीए चतुर्थ सेमेस्टर के अभिषेक कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज के मुख्य खेलकूद अधीक्षक डॉ. तेजवीर सिंह तोमर ने बताया कि छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए 1500 मीटर दौड़ (छात्रा वर्ग) प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम के तनीषा शर्मा ने प्रथम स्थान, बीए प्रथम की हिमानी पाल ने द्वितीय, बीएससी प्रथम की अंजली ने तृतीय स्थान और बीएससी प्रथम की कलावती ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ (छात्रा वर्ग) प्रतियोगिता में बीए प्रथम की प्रियंका सेमवाल ने ... बीकॉम प्रथम की प्रिया ... और बीए चतुर्थ ...

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेता खिलाड़ी। - संवाद

स्थान हासिल किया। त्रिकूद (छात्रा वर्ग) प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम की अंजली ने प्रथम स्थान, बीए चतुर्थ सेमेस्टर की नेहा सिंह ने द्वितीय और बीए चतुर्थ सेमेस्टर की महिमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा की ओर से सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया गया। विजयी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र और मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस दौरान डॉ. सरस्वती पाठक, डॉ. जेसी आर्य, डॉ. निविभसा शर्मा, ऋचा मिनोचा, रिकल गोयल, डॉ. सुषमा नयाल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रेनु सिंह, विवेक मित्तल, डॉ. पूर्णिमा सुंदरियाल, कविता छाबड़ा, डॉ. ... आदि मौजूद थे।

रुड़की-हरिद्वार

Campus my city अमर उजाला

अमर उजाला Job Alert

...शनल लिमिटेड ■ 56 पद

इंजीनियर के विभिन्न पदों पर रिक्तियां

कॉलेज ऑनलाइन शिक्षा के साथ कदमताल करने को तैयार

एसएमजेएन कॉलेज में दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते प्राचार्य। - संवाद

दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू

हरिद्वार। एसएन कालेज के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की बृहस्पतिवार को शुरुआत हुई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि महाविद्यालय ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में हुई वर्तमान प्रगति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन शिक्षण के क्षेत्र में हमारा महाविद्यालय निरंतर बदलती तकनीक के साथ स्वयं को समायोजित करने में पीछे नहीं रहेगा। कार्यक्रम के कीनोट स्पीकर विनय थपलियाल ने कहा के यूजीसी की 2021 की नियमावली के तहत अब यह प्रत्येक विवि व महाविद्यालय का कर्तव्य है कि वह ऑनलाइन स्टडी कंटेंट की रचना करे और उसे सुलभता से प्रत्येक छात्र-छात्रा को उपलब्ध कराए। कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की शिक्षिका नेहा गुप्ता ने प्राध्यापकों को गूगल वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण कराने संबंधी जानकारी दी। आज के सत्र का समापन वाणिज्य विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. तेजवीर सिंह तोमर के धन्यवाद ज्ञापन से किया गया। कार्यक्रम में डा. संजय कुमार माहे शरी, डा. प्रज्ञा जोशी, डा. पद्मावती तनेजा, डा. विजय शर्मा, डा. मन मोहन गुप्ता, डा. जगदीश चंद्र आर्य, डा. सुषमा नयाल, डा. रुचिता सक्सेना आदि उपस्थित थे।

एसएमजेएन पीजी कॉलेज में कॅरियर काउंसिलिंग में विशेषज्ञों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव, एक्सपर्ट ने साझा किए अनुभव

छात्रों को बताए गुर, कैसे तय करें कॅरियर की दिशा

एसएमजेएन कॉलेज में शुरू हुआ 15 दिवसीय योग शिविर

हरिद्वार, 6 जून (कुलभूषण) : एसएमजेएन कॉलेज में 15 दिवसीय योग शिविर की सोमवार को शुरुआत हुई। 20 जून तक चलने वाले शिविर की शुरुआत आचार्य योगी रजनीश ने की। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं को प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, तितलीआसन, सिंहासन, शीतलासन आदि आसन कराए। कॉलेज के छात्र गौरव बंसल, सेजल, हिमांशी दीक्षित, आरती आदि ने भी योगासनों का अभ्यास कराने में

जाय कॉम्बिंग करने पर पता लगा वाहनों को सीज कर दिया गया है। हासिल किया जायेगा। जल संरक्षण प्रबंधन में हाल ही

15 दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ, कॉलेज में योगी रजनीश ने कराया योग

(उत्तर केसरी ब्यूरो)

हरिद्वार। एस.एम.जे.एन. कॉलेज में 15 दिवसीय योग शिविर का प्रारम्भ हुआ, यह शिविर 06 जून से प्रारम्भ होकर 20 जून, 2022 तक चलाया जायेगा। दुनिया में योग के

महत्व को देखते हुए इस शिविर में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों योग शिविर के पश्चात् छात्र छात्राओं को सर्टिफिकेट भी दिया जायेगा

योग शिविर का शुभारम्भ योगगुरु आचार्य योगी रजनीश, ओम् आरोग्य योग मंदिर द्वारा किया गया जिसमें उनके द्वारा उपस्थित शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों व छात्र-छात्राओं को प्राणायाम, अनुलोम- लाभों को बताया गया। कॉलेज के छात्र गौरव बंसल, कु. सेजल, कु. हिमांशी दीक्षित, कु. आरती आदि ने भी योगासनों का अभ्यास कराने में मदद की। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि भारत में हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता व संस्कृति और एकता में ... कत। डॉ. बत्रा ने योग ... प्रकाश डालते हुए कहा ... प्राचीन भारतीय जीवन ... में शरीर, मन और ... साथ लाने का काम होता है। योग के माध्यम से शरीर, मन और मस्तिष्क को पूर्ण रूप से स्वस्थ किया जा सकता है। तीनों के स्वस्थ रहने से आप स्वयं को स्वस्थ महसूस करते हैं।

इस अवसर डॉ. मन मोहन गुप्ता, डॉ. तेजवीर सिंह तोमर, डॉ. जगदीश चन्द्र आर्य, श्रीमती रिचा मिनोचा, श्रीमती रिंकल गोयल, डॉ. रेना मिश्रा, डॉ. सरोज शर्मा, डॉ. लता शर्मा, डॉ. पूर्णिमा सुन्दरियाल, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. रुचिता सक्सेना, डॉ. रेनु सिंह, डॉ. सुगन्धा वर्मा, डॉ. अमिता मल्होत्रा, डॉ. रजनी सिंघल, विनीत सक्सेना, डॉ. शिवकुमार चौहान, डॉ. मनोज कुमार सोही, डॉ. विजय शर्मा, अंकित अग्रवाल, नेहा गुप्ता, दीपिका आनन्द, योगेश कुमार सैनी, दिव्यांश शर्मा, विवेक मित्तल, मोहन चन्द्र पाण्डेय आदि सहित कॉलेज के छात्र-छात्राओं विशाल, गौरव बंसल, अजय भटनागर आदि ने योग के विभिन्न आसनों का लाभ उठाया।

परम सत्ता से एकाकार की प्रक्रिया का नाम है योग: रविंद्र पुरी

हरिद्वार (बड़ी विशाल)। एसएमजेएन पीजी कॉलेज में आयोजित योग शिविर के दूसरे दिन अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि योग भारत की धरती से विश्व कल्याण हेतु निकला अमृत है। उन्होंने योग की उत्पत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा की योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के युज शब्द से हुई है, जिसका आशय जोड़ना है, अर्थात जो विज्ञान मानव चेतना को परम सत्ता से जोड़े वही विज्ञान योग है। अतः योग में भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक महत्त्व का एकाकार ही लक्ष्य है। उन्होंने महाविद्यालय के द्वारा आयोजित योग शिविर को इसी दिशा में उठाया गया एक सार्थक प्रयास बताया।

कॉलेज के आन्तरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित पन्द्रह दिवसीय योग शिविर के द्वितीय दिवस में योगाचार्य ईश्वर योगी ने छात्र गौरव बंसल एवं छात्रा हिमांशी दीक्षित के साथ प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुनील बत्रा ने योग शिविर को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज योग को पूरे विश्व में असाध्य रोगों से निजात के लिये अपनाया जा रहा है, हम जैसे-जैसे अपनी संस्कृति से दुनिया को अवगत करायेंगे, महाशक्ति के रूप में उभरते जायेंगे।

उन्होंने कहा कि आज का योग सैलाब बता रहे योगाचार्य ईश्वर अस्सी वर्ष के हैं, लेकिन जिस तरह से उन्होंने यौगिक क्रियाएं करायी उससे उनकी उम्र का पता नहीं लगता है।

उन्होंने शिविर में प्रतिभागियों को उत्साहित करते हुए कहा की योग से हम युवा पीढ़ी में मूल्यपरक बदलाव लाने में सफल होंगे। उन्होंने युवा पीढ़ी को योग शिविर में प्रतिभाग का लाभ उठाने की अपील की।

इस अवसर डॉ. मन मो[हन] गुप्ता, डॉ. तेजवीर सिंह तोम[र], डॉ. जेपी आर्य, डॉ. डॉ. रा... सिंघल, डॉ. लता शर्मा, श्री... रिचा मिनोचा, डॉ. रेना मि[श्रा], डॉ. मनोज सोही, डॉ. शिवकु[मार] चौहान, विनीत सक्सेना, डॉ. ... सिंह, अमिता मल्होत्रा, ... विजय शर्मा, डॉ. पूर्णि[मा] सुन्दरियाल, डॉ. पूजा जोशी, ... पुनीता शर्मा, डॉ. पद्मा... तेजस, अंकित अग्रवाल, ... पाण्डेय, महिमा जगवान, ... पूजा, डॉ. विनीता चौह[ान], रुचिता सक्सेना, डॉ. मो[ना] शर्मा, डॉ. आशा शर्मा, ... योगिता, संतोष, पूजा, योगे... साक्षी, विशाल बंस[ल], गौरव बंसल, मुस्कान, प्रीति तिवारी, अनन्या भटना[गर], आरती, सौरभ, सहित अ... छात्र-छात्राओं ने योग शिविर में उपस्थित रहकर यौगिक क्रि[याएं] सम्पादित की।

एसएमजेएन के टॉपर्स सम्मानित

एसएमजेएन कॉलेज में टॉपर्स को सम्मानित करते अतिथि। -संवाद

हरिद्वार। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय केंद्रीय संचार ब्यूरो देहरादून, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और एसएमजेएन कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित योग कार्यक्रम में टॉपर्स विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

सम्मान पाने वाली छात्राओं में महाविद्यालय की पलस्वी शर्मा को एमकॉम में विश्वविद्यालय गोल्ड मेडलिस्ट लाने पर, प्रीति को बीए, आस्था आनंद बीकॉम, पूजा रावत बीएससी, शिल्पा सिंह बीएससी, शहाना एमए, अर्थशास्त्र, आरती गुरमुख वाली, एमए अंग्रेजी, साक्षी कौशल एमए हिंदी, आयशा एमए राजनीति विज्ञान और हिमांशी दीक्षित एमए समाज शास्त्र शामिल हैं।

इस मौके पर कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुनील कुमार जोशी, कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा मौजूद रहे। संवाद

समाचार पत्रों की सुर्खियां

'शिक्षा में नवाचार से फिर बनेगा विश्व

एसएमजेएन कॉलेज में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रो

एसएमजेएन कॉलेज में प्रतिभागियों को सम्मानित करते अखाड़ा परिषद के अध्य

संवाद न्यूज एजेंसी

हरिद्वार। एसएमजेएन कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की ओर से महाविद्यालय के व्याख्यान कक्ष में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम सबसे अहम है। इससे कॉलेज में अध्ययन के लिए आने वाले छात्र-छात्राओं को अच्छी शिक्षा मिल सकेगी।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि उच्च शिक्षा उन्नयन और नवाचार के माध्यम से भारत फिर से विश्व गुरु के पद पर आसीन होगा। कॉलेज में इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी होते रहेंगे। जो छात्र-छात्राओं व प्राध्यापकों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि एफ कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक समुदाय को भारतीय ज्ञान तंत्र की आवश्यकता, प्रासंगिकता और सत्य के प्रति एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करना है।

रिसोर्स पर्सन राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष विनय थपलियाल ने ई-स्मार्ट लर्निंग के बारे में बताया कि यह शिक्षा के क्षेत्र में बहुत उपयोगी है। अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. कविता सक्सेना ने स्वयं की आवश्यकता और उसकी उपयोगिता के बारे में बताते कहा कि इसके माध्यम से विदेश में स्थित उच्च शिक्षा संस्थाओं से भी शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। इस मौके पर डॉ. प्रज्ञा जोशी, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. पद्मावती तनेजा, डॉ. पुनीता शर्मा, डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

छात्रों ने निकाली योग जागरूकता रैली

एनएसएस

हरिद्वार, संवाददाता। कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने बुधवार को जागरूकता रैली निकाली। रैली रविंद्रपुरी, सब्जी मंडी चौक से होते हुए मुख्य मार्ग से कॉलेज तक निकाली गई।

रैली का शुभारंभ करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने कहा कि योग से स्वस्थ जीवन प्राप्त हो सकता है। संयोजक डॉ. जगदीश चन्द्र आर्य ने कहा कि योग एकाग्रता का विस्तार करता है। मौके पर डॉ. सुषमा नयाल, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. मनमोहन गुप्ता, डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, डॉ. शिव कुमार चौहान, डॉ. मनोज सोनी, डॉ. प्रज्ञा जोशी, विनीत सक्सेना, अंकित अग्रवाल, विवेक शर्मा, डॉ. रीता मिश्रा, डॉ. अमिता मल्होत्रा, विवेक मित्तल, डॉ. सुगन्धा वर्मा आदि शामिल रहे।

इस दौरान हुई बैठक में प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि ...

हरिद्वार में एसएमजेएन पीजी कॉलेज के एनएसएस शिविरार्थियों ने बुधवार को रैली निकाली।

... तक आयोजित होने वाले शिविर में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को कॉलेज की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

... सिंह तोमर, डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, डॉ. जगदीश चन्द्र आर्य, विनय थपलियाल, डॉ. सुषमा नयाल, डॉ. मनोज कुमार सोनी आदि ...

1500 मीटर दौड़ में तनीषा व जौनी ने मारी बाजी

फलों की जगह देंगे गौरय्या का घोंसला

लक्सर स्टेशन पर

जनता को दी जाए कानूनी जानकारी : रविंद्र पुरी

हरिद्वार/एसएनबी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर एसएमजेएन कॉलेज में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

अखाड़ा परिषद एवं कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष महंत रविंद्रपुरी, मुख्य अतिथि सिविल जज अभय कुमार सिंह, प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा, रश्मि पंत, शालिनी बड़ोनी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर की शुरुआत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महंत रविंद्रपुरी ने कहा कि कानूनी साक्षरता विषयक पुस्तिकाएं नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित कर जनता को कानूनों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि सिविल जज अभय कुमार सिंह ने जिला विधिक प्राधिकरण के बारे में जानकारी दी और बताया कि प्राधिकरण गरीबों को निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराता है। इसके लिए उन्हें एक अर्जी प्राधिकरण के कार्यालय में देनी होती है। उन्होंने महिला हिंसा, महिला एवं बाल उत्पीड़न, बालश्रम, साइबर क्राइम तथा पोक्सो की जानकारी दी।

सहायक समाज कल्याण अधिकारी शालिनी बड़ोनी ने कानूनी जानकारी व कल्याणकारी योजनाओं व जिला प्रोबेशन अधिकारी अविनाश भदौरिया ने छात्र-छात्राओं को कैरियर संबंधी जानकारी दी। एआरटीओ रश्मि पंत ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में बताया। एसआई अनिता शर्मा व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के राकेश कुमार ने भी कानूनी जानकारी दी। कॉलेज के पूर्व छात्र अधिवक्ता रमन सैनी ने नशे से संबंधित कानून के बारे में बताया। प्राचार्य डा. सुनील कुमार बत्रा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद दिया।

विधिक प्राधिकरण सचिव को गौरय्या का घोंसला भेंट करते रविंद्र पुरी।

Toppers our Pride (Session-2021)

M.A. English
Jyotika Gupta
D/o Shri Vipin Gupta
CGPA 8/10= 576/720

M.A. Economics
Susmita Gupta
D/o Shri Santosh Kumar Gupta
CGPA 7.88/10= 567/720

M.A. Political Science
Santosh
D/o Shri Dukhanti Ram
CGPA 7.63/10= 549/720

M.A. Sociology
Poonam Rana
D/o Shri Ombeer Chand
CGPA 7.79/10= 561/720

M.A. Hindi
Megha Chaurasiya
D/o Shri Shiv Lal
CGPA 7.13/10= 513/720

B.Sc. (PCM)
Deeksha Verma
D/o Shri Devendra
CGPA 8.91/10= 1176/1320

B.Sc. (CBZ)
Afroz Jahan
D/o Shri Hayat Ali
CGPA 8.77/10= 1158/1320

B.Sc. (CS)
Km. Chitra Bharti
D/o Shri Shyamu Bharti
CGPA 7.27/10= 960/1320

M.Com
Vranda Singhal
D/o Shri Shalabh Singhal
CGPA 8.5/10= 612/720

B.Com
Anchal Negi
D/o Shri B.S. Negi
CGPA 8.14/10= 1075/1320

BA
Manju
D/o Shri Pan Singh
CGPA 8/10= 1056/1350

Congratulations

Placement

Selection

Manoj Semwal
Lecturer Political Science

Dr. Manoj Kumar
Asstt. Professor
Political Science Dept. HNBGU Srinagar

Manisha Chauhan
Western Railway

Kartik Sharma
Executive IDBI Bank

Ms Deepa Sharma
CRP-VIII PNBank

Miss Jyoti
CRP RBs (IX) Office
Assistant RRB

RAMANAND

INSTITUTE OF PHARMACY, MANAGEMENT & TECHNOLOGY

(Governed by Shri Guru Niranjan Dev Welfare Society)

(Panchayati Akhara Shri Niranjani)

Approved by: All India Council for Technical Education (AICTE) Ministry of HRD, Govt. of India, Pharmacy Council of India (PCI)

Affiliated to: Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Dehradun & Uttarakhand Board of Technical Education, Roorkee.

Sri Dev Suman Uttarakhand University, Badshahthaul, Tehri Garhwal

Shri Mahant Ravinder Puri (Chairman)

Call For Admission Enquiry : 9557005857, 9536348409, 9536351897

MBA

- Marketing
- Finance
- Human Resource

- International Business
- Management Information System
- Logistics & Supply Chain

B.Tech

- Civil
- Computer Science
- Electronics & Comm.
- Electrical & Electronics
- Mechanical

Polytechnic

- Civil
- Electrical
- Electronics
- Mechanical

B.Com (Hons)

B.Com

B.Pharma

D.Pharma

CAMPUS: Near Bhumanand Hospital, Haridwar-Roorkee Road, Jwalapur, Haridwar - 249407, Uttarakhand

Submit Your Admission Enquiry: www.ramanandinstitute.com/admission

अग्निपथ योजना

देश सेवा का सुनहरा अवसर

बनें अग्निवीर

Know More